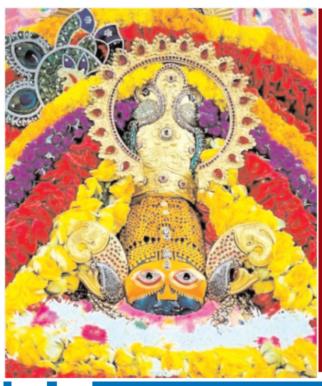

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:362। पेज:।12 mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 23 अगस्त 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

वाराणसी के सभी घाट डूबे

छतों पर आरती-अंतिम संस्कार, एमपी-यूपी समेत 4 राज्यों में भारी बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। वाराणसी में सभी 84 घाट डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट की छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। उधर, राजस्थान में मानसून कमजोर पड़ गया है। इससे गर्मी और उमस बढ़ गई है। श्रीगंगानगर में 39.9ए और चूरू में 39ए तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश के 22 और यूपी के 28 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी तेज बारिश होगी। दरअसल, मध्य प्रदेश में 3 मानसूनी सिस्टम एक्टिव हैं। रीवा-सीधी के पास लो प्रेशर एरिया, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से मानसून ट्रफ और दक्षिणी-पश्चिमी मध्य प्रदेश में चक्रवाती घेरा बना हुआ है।

असमः बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित

गुवाहाटी। असम के कई हिस्सों में पानी घटने के साथ हालात सुधर रहे हैं, लेकिन शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, धेमाजी और कछार जिलों में बाढ़ का संकट और इसका असर अब भी बना हुआ है। इन जिलों बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। इस बार की बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 106 तक पहुंच गयी है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। वर्तमान समय में बाढ़ की स्थिति कुल 6 जिलों में बनी हुई है। प्रभावित जिलों में शिवसागर, धेमाजी, गोलाघाट, जोरहाट, नगांव एवं कछार शामिल हैं। बाढ़ से 6 जिलों के 13 राजस्व मंडलों के कुल 73 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 15512 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 6299 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन, पुतला जलाया

सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी, 2 दिन पहले निधन हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बयान दिया था

बातचीत में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने सज्जन कुमार के निधन को कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया था। वहीं, कांग्रेस के नेता उदित राज ने सज्जन कुमार के निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत काम किया था। इन बयानों के बाद से सिख समाज में नाराजगी है।

सिखों की कांग्रेस से सफाई और माफी की मांग

प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया।डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए और उन्हें अपना हीरो बताया, वह आपत्तिजनक हैं। राहुल गांधी को आज साफ करना होगा कि क्या सज्जन कुमार उनके हीरो हैं। उन्होंने कहा, 42 साल बाद हमारे परिवारों के जख्म फिर हरे हो गए हैं। हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है। राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को इसे स्वीकार कर माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी ने जेन-जी से जुड़ने के लिए टीम बनाई

•नितिन नवीन, स्मृति-तावड़े शामिल •कांग्रेस के पूरा वंदे मातरम न गाने के खिलाफ प्रस्ताव पास

एजेंसी

नई दिल्लीः बीजेपी ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स से जुड़ने के लिए खास टीम बनाई है। इसमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े के साथ गुजरात के मंत्री हर्ष सांघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी शामिल हैं। वहीं, दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को नितिन नवीन की अध्यक्षता में 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई। वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। भाजपा ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पैरा गाने के फैसले की निंदा की।

वंदे मातरम के लिए जागरूकता अभियान चलाएगी बीजेपी

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई नई टीम की बैठक में आगामी चुनावों, संगठन को मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

नवीन ने कहा कि बीजेपी वंदे मातरम का इतिहास और महत्व देशभर में पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। खासतौर पर युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी पूरे वंदे मातरम और उससे जुड़े इतिहास को समझ सके। इससे पहले 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) ने 1937 के अपने फैसले पर कायम रहने का फैसला किया था। इसके तहत कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा ही गाए जाएंगे। बीजेपी कांग्रेस के इस फैसले का विरोध कर रही है।

14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ेगी बीजेसी

बीजेपी की नई टीम 'युवा संवाद' अभियान के जरिए 14 से 25 साल के युवाओं से जुड़ेगी। इसमें बातचीत और चर्चा के जरिए जेन-जी की सोच, समस्याओं और उम्मीदों को समझने की कोशिश होगी। युवाओं को बीजेपी नेताओं से सीधे सवाल करने और अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा। कार्यक्रमों का शेड्यूल और जगहों की जानकारी जल्द जारी होगी।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम सिर्फ कांग्रेस का इवेंटः सीएम

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को कांग्रेस का इवेंट करार दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी के इस कार्यक्रम का छात्रों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। गौर करने वाली बात है कि इस कार्यक्रम में सिर्फ कांग्रेसी नेताओं की ओर से संचालित कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को आमंत्रित किया गया है। इससे स्थिति संदेहास्पद नजर आती है। इसके अलावा, अब तो यह बात खुलकर सामने आ गई है कि कैसे 25 हजार रुपए देकर इस कार्यक्रम में इन्फ्लुएंसर को बुलाया जाता है। इन इन्फ्लुएंसर का काम ही यही है कि कैसे भी करके इस कार्यक्रम को लेकर छात्रों के बीच कार्यक्रम की छवि सकारात्मक बनाई जा सके। इसी को देखते हुए यह पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा रही है, लेकिन देश की जनता इस पूरी स्थिति को भलीभांति समझती है। कांग्रेस को इससे किसी भी प्रकार का फायदा होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है, उन्हें लुभाने की कोशिश की जा रही है और उनसे कहा जा रहा है कि आप हमारे कार्यक्रम में आइए। साथ ही, कई लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बस भी मुहैया कराई जा रही है, ताकि कार्यक्रम हर हाल में सफल हो सके।

यूपी में चीनी की कमी नहीं: योगी

'जमाखोरी की तो खैर नहीं', योगी बोले- सभी जिलों में डीएम गोदामों का कराएं सत्यापन

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चीनी की उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समीक्षा की। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता है और आमजन को परेशान होने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्टूबर से शुरू करने के भी निर्देश दिए।

मिलों में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख कुंतल चीनी उपलब्ध है। इसमें सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी का भंडार है। जून और जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की। इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए, ताकि बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो।

कालाबाजारी और अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी की अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहें। उन्होंने अधिकारियों को चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। भारत सरकार के निर्देशों का हवाला देते हुए बताया गया कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक का चीनी स्टॉक नहीं रख सकेगा। एक समय में 400 टन से अधिक स्टॉक रखने की भी अनुमति नहीं होगी। वहीं, 10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत वाले बल्क कंज्यूमर्स 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के तहत बेची गई चीनी को बिक्री की तारीख से सात दिन से अधिक समय तक गोदाम में नहीं रोक सकेंगी।

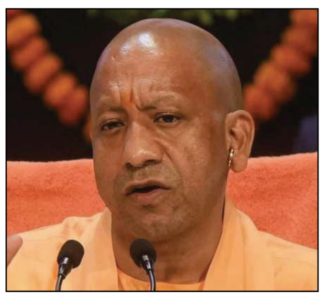

कर्नाटक के आईएएस अधिकारी के लापता होने की खबर

खड़गे ने दी जानकारी

नई दिल्ली। कर्नाटक के आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के कथित तौर पर लापता होने की खबर सामने आई है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में एक आईएएस अधिकारी के लापता होने की खबरें आई हैं। अधिकारी ने सरकार से संपर्क कर स्पष्ट किया है कि पारिवारिक आपात स्थिति के कारण उन्हें छुट्टी लेनी पड़ी और अपने गृह नगर जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस दौरान उनका आधिकारिक फोन संपर्क में नहीं आ पाया, जिससे उनके ठिकाने को लेकर कुछ भ्रम और अटकलें पैदा हुई। उन्होंने सरकार से संपर्क कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त से ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार परिवार और अन्य लोग उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी जानकारी मिली है, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक परिवार या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। सूत्रों के अनुसार, आईएएनएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार 20 अगस्त से ही संपर्क से बाहर हैं। खबर मिली है कि उन्होंने दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट का टिकट भी बुक कराया था। फिलहाल उनकी लोकेशन की कोई जानकारी नहीं मिल रही है हालांकि, उनके लापता होने की वजह को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

शिलांग हिंसा - सुरक्षा चिंताओं के कारण एनईपीएमजी ने मेघालय में ईंधन की सप्लाई रोकी

असम और मेघालय के बीच तनाव और बढ़ गया।

एजेंसी

गुवाहाटी। नॉर्थ-ईस्ट पेट्रोलियम मजदूर यूनियन (एनईपीएमजी) ने असम से मेघालय में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई रोक दी। इसके बाद शनिवार को असम और मेघालय के बीच तनाव और बढ़ गया। यूनियन ने पड़ोसी राज्य में चल रहे असम में रजिस्टर्ड वाहनों और ड्राइवरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। यह फैसला 19 अगस्त को खासी स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से आयोजित 'ब्लैक-फ्लैग' मोटरसाइकिल रैली के दौरान शिलांग में हुई हिंसा के कुछ दिनों बाद लिया गया है। खबरों के मुताबिक, इस हिंसा में कई लोग घायल हुए और 30 से ज्यादा गाड़ियां, जिनमें से ज्यादातर असम में रजिस्टर्ड थीं, क्षतिग्रस्त या तोड़-फोड़ की शिकार हुईं। नॉर्थ-ईस्ट पेट्रोलियम मजदूर यूनियन ने कहा कि मेघालय में ट्रांसपोर्टेशन और लोडिंग-अनलोडिंग का काम रोकने का फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक राज्य सरकार असम में रजिस्टर्ड गाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाती। एनईपीएमजी के जनरल सेक्रेटरी रमेन डेका ने कहा, 'लगातार अशांति, ड्राइवरों के साथ बदसलूकी और हमलों के आरोपों के बीच पेट्रोलियम कर्मचारी अपनी सुरक्षा को जोखिम में नहीं डालना चाहते।' डेका ने कहा, 'पेट्रोलियम उत्पाद बहुत ज्यादा ज्वलनशील होते हैं, इसलिए गाड़ियों और सामान, दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।' यूनियन का कहना है कि यह कदम सुरक्षा चिंताओं की वजह से उठाया गया है, न कि छात्र आंदोलन के विरोध में। यूनियन ने मेघालय सरकार से हालात सामान्य करने, हिंसा और बदसलूकी के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की। ईंधन की सप्लाई में यह रुकावट दोनों राज्यों के बीच ट्रांसपोर्ट को लेकर चल रहे बड़े गतिरोध के बाद आई है। असम के टैक्सी और कमर्शियल गाड़ियों के ड्राइवरों ने शिलांग के लिए अपनी सेवाएं रोक दी हैं, जबकि जोरबाट और असम-मेघालय रूट पर दूसरी अहम जगहों पर नाकेबंदी की खबरें भी हैं।

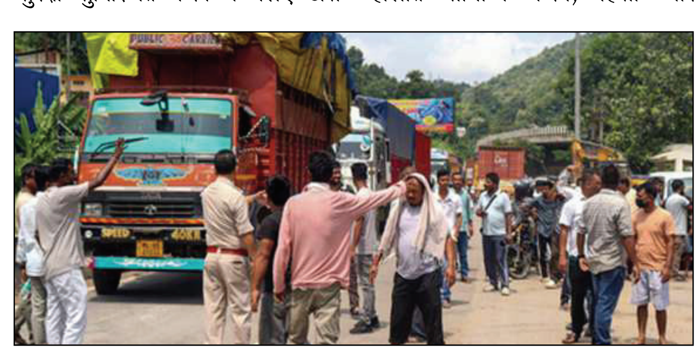

अमित शाह का बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के लिए जल्द स्थायी राजनीतिक समाधान का आश्वासन

मॉडेलिटीज तय करने को समिति गठित होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की मौजूदगी में शनिवार को सिलिगुड़ी में पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। गृह मंत्रालय के अनुसार, बैठक में पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र की आबादी से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की पृथक पहचान, स्थायी राजनीतिक समाधान और भारत के संविधान के तहत मान्यता से संबंधित मांगों को भी रखा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के संविधान के दायरे में शीघ्र स्थायी राजनीतिक समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने पहाड़ी समुदाय की अन्य सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराकर सभी लंबित मुद्दों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में स्थायी राजनीतिक समाधान से जुड़े मॉडलिटीज़ को अंतिम रूप देने के लिए पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं वर्तमान वार्ताकार पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। यह समिति भारत के संविधान के तहत पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के लोगों के लिए स्थायी राजनीतिक समाधान की दिशा में तैयार किए जाने वाले अंतिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देगी। बैठक में सांसद राजू बिस्ता, सांसद हर्षवर्धन सिंगला, पहाड़ मंत्री बिशाल लामा, जीजेएम नेता बिमल गुरुंग, जीएनएलएफ नेता मान घीसिंग, विधायक भरत छेत्री, विधायक सोनम लामा, विधायक नोमन राई, सीपीआरएम नेता जेबी राई, गोरानिमो नेता दावा पाखरीन, सुमेती नेता बिकाश राई सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हदाद में कथित वर्ली मटका जुए के आरोप, पुलिस की परफॉर्मेंस पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। आज दाहोद के गुरुगोविंद लिमडी तालुका में आम आदमी पार्टी ने राज्य में शराब बैन को सख्ती से और अक्षरशः लागू करने की पुरजोर मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर और नारे लेकर सड़कों पर उतरे AAP कार्यकर्ताओं ने BJP सरकार और पुलिस सिस्टम की मिलीभगत के खिलाफ जमकर गुस्सा दिखाया। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने सख्त रवैया अपनाया और कई AAP नेताओं और कार्यकर्ताओं को जबरन हिरासत में ले लिया। हालांकि, पुलिस की गाड़ियों में ठूंस-ठूंस कर भरे होने के बावजूद कार्यकर्ताओं का गुस्सा कम नहीं हुआ और वे गाड़ियों से ही सरकार विरोधी नारे लगाते रहे और शराब बैन को सख्ती से लागू करने की अपनी मांग दोहराते रहे। प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी ने राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी के तुरंत इस्तीफे की मांग की। पार्टी के लोकल नेताओं ने आरोप लगाया कि गांधी के गुजरात में शराब बैन सिर्फ कागज़ों पर है, जबकि हर कोने में गैर-कानूनी शराब की दुकानें फल-फूल रही हैं। अगर होम डिपार्टमेंट अपने ही राज्य में शराब की बिक्री नहीं रोक पा रहा है, तो होम मिनिस्टर को नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। AAP नेताओं ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि पुलिस की कार्रवाई आवाज़ को दबा नहीं पाएगी। अगर राज्य सरकार और लोकल पुलिस सिस्टम गैर-कानूनी शराब की बिक्री के खिलाफ़ तुरंत और ठोस कार्रवाई नहीं करता है, तो आने वाले दिनों में पूरे आदिवासी इलाके में इस मुद्दे पर और भी तीखा आंदोलन किया जाएगा।

बिना बारकोड वाली भारी मात्रा में रॉयल स्टैग विदेशी शराब पकड़ी गई तो स्थानीय पुलिस अधिकारी रह गए दंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के गांधी के दावों के बीच स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम ने अहमदाबाद शहर में छापेमारी कर बड़ा खुलासा किया है। राज्य मॉनिटरिंग सेल ने गहन खुफिया जानकारी के आधार पर अहमदाबाद के एक विशिष्ट क्षेत्र में छापेमारी की है और भारी मात्रा में प्रीमियम 'रॉयल ??स्टैग' ब्रांड शराब की विदेशी बोतलें जब्त की हैं। लेकिन इस छापेमारी में सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि जब्त की गई बोतलों पर कोई बारकोड या ट्रैकिंग कोड नहीं था। गांधीनगर से सीधे एसएमसी की इस औचक छापेमारी और बिना बारकोड वाली शराब की मात्रा के आंकड़े सामने आने से स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है और उच्च अधिकारियों में भी होश उड़ गए हैं। आम तौर पर, शराब नेटवर्क चलाने वाले बूटलेगर्स और माफिया अवैध तस्करी या आपूर्ति श्रृंखला ट्रैकिंग से बचने के लिए बोतलों से बारकोड मिटा देते हैं, या यह संदेह होता है कि यह माल सीधे कारखाने से लीक हो गई है या हरियाणा, राजस्थान जैसे राज्यों से अवैध सीमा पार करके अहमदाबाद में लाई गई है। स्थानीय पुलिस की घोर विफलता या मिलीभगत?: जिस क्षेत्र से एसएमसी ने करोड़ों/लाखों की शराब जब्त की, उस क्षेत्र में गश्त करने का दावा करने वाली स्थानीय पुलिस को इतनी बड़ी मात्रा में शराब की गंध क्यों नहीं आई? राज्य मॉनिटरिंग सेल की एंट्री ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अवैध शराब तस्कर स्थानीय पुलिस की नाक के नीचे शराब का नेटवर्क बेरहमी से चला रहे थे।

अकोटा में SOG की बड़ी कार्रवाई, 10.20 लाख की प्रतिबंधित ई-सिगरेट जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत वडोदरा स्हल ने अकोटा टाउनशिप स्थित एक मकान पर छापेमारी कर 408 प्रतिबंधित ई-सिगरेट (वेप्स) जब्त की। चीन निर्मित विभिन्न ब्रांड और फ्लेवर की इन ई-सिगरेट की कीमत करीब 10.20 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग मौके पर मिला। पूछताछ में सामने आया कि उसे वेप्स के अवैध भंडारण और वितरण के लिए 5 हजार रुपये मासिक पर रखा गया था। जांच में सैफान उर्फ बाबा इकबाल मेमन और आवेश रफीक पटेल के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ COTPA-2003 और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम के तहत अकोटा थाने में मामला दर्ज कर उन्हें वांटेड घोषित किया है। स्हल अब वेप्स के सप्लाई नेटवर्क और शहर में इनके संभावित खरीदारों व दुकानों की जांच कर रही है।

फर्जी CCC सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी पाने वाले 14 टीचरों पर रेड आई, सैलरी रोककर अब तक दिए गए पैसे वसूलने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने राज्य के एजुकेशन सेक्टर को बदनाम करने वाली और मेहनती कैंडिडेट्स के साथ नाइंसाफी करने वाली एक और बड़ी गड़बड़ी के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जूनागढ़ जिले में सरकारी प्राइमरी स्कूलों में फर्जी और गैर-कानूनी CMC सर्टिफिकेट दिखाकर नौकरी पाने वाले 14 टीचरों का पर्दाफाश हुआ है। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने इस मामले में तुरंत और सख्त रुख अपनाते हुए सभी 14 टीचरों की महीने की सैलरी तुरंत रोक दी है। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने न सिर्फ टीचरों की सैलरी रोककर उन्हें रोका है, बल्कि सरकारी खजाने से अब तक इन टीचरों को दिए गए अरबों-करोड़ों के सैलरी और अलाउंस वसूलने का ऑफिशियल ऑर्डर भी जारी कर दिया है, जिससे एजुकेशन जगत में भारी हंगामा मच गया है। नियमों के मुताबिक, सरकारी टीचरों के लिए कंप्यूटर की जानकारी वेरिफाई करने के लिए CCC सर्टिफिकेट ज़रूरी है। लेकिन इन 14 टीचरों ने नौकरी पाने या सर्विस के दौरान जो सर्टिफिकेट दिखाए थे, वे पूरी जांच में फर्जी और संदिग्ध निकले।

छत्तीसगढ़ में एजुकेशन की दुनिया को कलंकित करने वाला एक बड़ा स्कैंडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। देश भर में पेपर लीक की घटनाओं के खिलाफ भारी गुस्से के बीच, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मौजूद इंदिरा गांधी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने एजुकेशन सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित B.Sc एग्रीकल्चर सेकंड ईयर की परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया और WhatsApp ग्रुप्स पर एक कथित 'गैस पेपर' वायरल हो गया था। एग्जाम पूरा होने के बाद जब असली क्वेश्चन पेपर और वायरल गैस पेपर का मिलान किया गया तो एडमिनिस्ट्रेशन के होश उड़ गए।

L-1 को धमकाकर 9% का हाई कमीशन वसूलने का धमाका

कर्जन में टेंडर राज: ताकतवर नेताओं और 'गुंडा तत्वों' के खेल में VGL का गैस प्रोजेक्ट विवादों के भंवर में

कर्जन में गैस प्रोजेक्ट पर सियासी संग्राम, टेंडर प्रक्रिया को लेकर बढ़ा विवाद

कर्जन में 8 करोड़ के VGL गैस प्रोजेक्ट पर घमासान

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कर्जन। तालुका में वडोदरा गैस लिमिटेड के करोड़ों के गैस लाइन प्रोजेक्ट में गंभीर भ्रष्टाचार और माफिया का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सरकारी पैसे और जनता के टैक्स की कमाई पर हमला करने वाले टेंडर सिंडिकेट ने कानून को ताक पर रखकर खुलेआम मनमानी करने के गंभीर आरोपों ने कर्जन से लेकर वडोदरा तक की राजनीति गरमा दी है।

बंदूक की नोक पर टेंडर फ्री?L-1 कॉन्ट्रैक्टर को रास्ते से हटाया गया

पूरा घोटाला वडोदरा गैस लिमिटेड द्वारा जारी किए गए 8 करोड़ रुपये के गैस लाइन टेंडर से शुरू हुआ। नियमों के मुताबिक, ट्रांसपेरेंट प्रोसेस के बाद सबसे कम रेट (L-1) देने वाली एजेंसी को 4.5' के आधार पर इस काम के लिए मंज़ूरी दे दी गई। लेकिन कर्जन के घमंडी तत्वों को यह मंज़ूरी पसंद नहीं आई! कर्जन के सिंडिकेट माफिया ने L-1 कॉन्ट्रैक्टर के मालिक को सीधे और साफ-साफ धमकी दी

'टेंडर मिला है तो कागजों में रखो, कर्जन में कदम रखा या काम शुरू किया तो जान से हाथ धोना पड़ेगा!'

L-1 कॉन्ट्रैक्टर ने अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने से मना कर दिया। सरकारी पॉलिसी और नियमों के हिसाब से धमकी देने वालों पर एक्शन लेने के बजाय, ड्रतरु ने चुपचाप टेंडर प्रोसेस फिर से शुरू कर दिया।

दलबदलू ताकतवर नेता का खेल: मदतिया को 9% ज्यादा चार्ज देकर ठगा गया!

दूसरी बार हुए टेंडर प्रोसेस में दूसरी पार्टी से BJP में शामिल हुए एक ताकतवर नेता ने कर्जन की पॉलिटिक्स में एंट्री की। इंतज़ाम ऐसा किया गया कि सारे नियम ताक पर रखकर यह टेंडर L-2 (दूसरे नंबर) कॉन्ट्रैक्टर को 4.5' के बजाय 9' के ऊंचे कमीशन रेट पर दे दिया गया!

इस घोटाले के सीधे नतीजे

नगरपालिका पर दोहरा आर्थिक बोझ: पहले के हिसाब से, कर्जन नगर पालिका को इस काम के लिए 36 लाख रुपये देने थे, लेकिन इस भ्रष्ट व्यवस्था की वजह से अब नगर पालिका पर 72 लाख रुपये का बम टूटा है।

मुख्यमंत्री के फंड का गलत इस्तेमाल: इस प्रोजेक्ट के लिए मुख्यमंत्री के फंड से 8 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है, जिसका इस्तेमाल जनता के हित के बजाय नेताओं और माफियाओं की जेब भरने में किया जा रहा है।

नगरसेवक की सीधी संलिप्तता: गंभीर आरोप है कि नगर पालिका के एक ताकतवर नगरसेवक ने अपने मालतिया के नाम पर यह कॉन्ट्रैक्ट हासिल करके नगर पालिका के खजाने से करोड़ों रुपये का गबन किया है।

महानगर मेट्रो न्यूज़ के कड़े सवाल: प्रशासन और राज्य BJP चुप क्यों है?

1. L-1 कॉन्ट्रैक्टर को जान से मारने की धमकी देने वालों के खिलाफ अभी तक FIR क्यों नहीं हुई? 2. दूसरी पार्टी से BJP में शामिल होकर रातों-रात करोड़ों रुपये की प्रॉपर्टी के मालिक बने इस ताकतवर नेता के खिलाफ प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पांचाल कब सख्त एक्शन लेंगे?

3. VGL के कौन से अधिकारी हैं जिन्होंने 4.5' की जगह 9' की ऊंची कीमत पर टेंडर मंज़ूर करके सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया? PMO तक पहुंचेगी शिकायतः ED और ACB जांच की मांग कर्जन के जागरूक नागरिकों में इस लूट के खिलाफ भारी विरोध पैदा हो गया है। जनता और पक्को गुजरात न्यूज़ की साफ मांग है कि इस टेंडर प्रोसेस की तुरंत हाई-लेवल विजिलेंस जांच होनी चाहिए। आय से ज्यादा संपत्ति वाले इस नेता और उसके गुर्गों के खिलाफ श्रड़ (एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट) और ACB (एंटी-करप्शन ब्यूरो) से रेड करवानी चाहिए। वडोदरा गैस लिमिटेड के भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं की मिलीभगत के बारे में सबूतों के साथ एक डिटेल्ड प्रेजेंटेशन सीधे PMO को भेजी जाएगी। महानगर मेट्रो न्यूज़' की खुली चुनौती है - दल बदलकर करोड़ों असमिया बनने वाले नेताओं और VGL के भ्रष्ट अधिकारियों के काले कारनामों के सबूत अगले अंक में एक के बाद एक सामने आएंगे!

वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तीन तीर्थ यात्राओं का अवसर – नपाध्यक्ष गेहलोत

अयोध्या-काशी से हरिद्वार-ऋषिकेश तक तीर्थ यात्रा का मौका

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत नागदा से तीन धार्मिक यात्राएं, निर्धारित तारीखों तक आवेदन जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को पवित्र तीर्थ स्थलों की यात्रा का लाभ दिलाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए अयोध्या-काशी (वाराणसी), हरिद्वार-ऋषिकेश तथा वाराणसी-गया की तीन तीर्थ यात्राएं प्रस्तावित हैं। योजना के अंतर्गत अयोध्या-काशी (वाराणसी) यात्रा 07 सितंबर 2026 को आयोजित होगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। इसी प्रकार हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा 16 सितंबर 2026 को आयोजित होगी, जिसके लिए आवेदन 07 सितंबर 2026 शाम 5 बजे तक किए जा सकेंगे। वहीं वाराणसी-गया यात्रा 04 अक्टूबर 2026 को आयोजित होगी, जिसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर 2026 शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

आवेदन करते समय आवेदक को राशन कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो, आवेदक एवं परिजन दोनों के मोबाइल नंबर तथा सिविल हॉस्पिटल नागदा से जारी चिकित्सा फिटनेस प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत ने नागदा के वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा से जुड़ी इस पावन तीर्थ यात्रा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना आवेदन प्रस्तुत करें। सांसद एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री ओ.पी. गेहलोत, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री सुभाषचंद्र शर्मा, सभापति श्रीमती भावना सुभाष रावल, श्रीमती बबिता रघुवंशी, श्री गौरव यादव, श्रीमती रामकुंवर विजय सिंह सिसोदिया, श्रीमती देवकुंवर पटेल, श्रीमती बबीता रघुवंश, श्रीमती कौशल्या रघुनाथ सिंह ठाकुर सहित नगर पालिका के समस्त पार्षद, एल्डरमैन एवं जनप्रतिनिधियों ने भी वरिष्ठ नागरिकों से योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा बताया गया कि आवेदन एवं अधिक जानकारी के लिए नगर पालिका परिषद नागदा कार्यालय की पेंशन शाखा में संपर्क किया जा सकता है। वरिष्ठ नागरिक निर्धारित अंतिम तिथि का ध्यान रखते हुए समय पर आवेदन प्रस्तुत करें। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट

दाहोद में करोड़ों के बजट के धुएं के बीच अपनी जान जोखिम में डालकर तंग क्लासरूम में पढ़ने को मजबूर आदिवासी भूले हुए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। गुजरात मॉडल और गुजरात एजुकेशन मॉडल का दिन-रात नेशनल और इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म से ज़ोर-शोर से प्रचार करने वाली सत्ताधारी पार्टी ने दाहोद जिले के दूरदराज के आदिवासी इलाकों में मॉडल की दया, करुणा और देखभाल की चौंकाने वाली असलियत सामने लाई है। सरकारी किताबों में शिक्षा विभाग के लिए करोड़ों-अरबों रुपये के बजट मंज़ूर होते हैं और विकास के गुण गाए जाते हैं। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि आदिवासी इलाकों के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में मासूम बच्चों को डेथ सर्टिफिकेट की तरह तंग क्लासरूम में बैठकर पढ़ना-लिखना पड़ता है। आज दाहोद जिले के तीन और गांवों से जागरूक गांववालों और पेरेंट्स को स्कूल की असली हालत दिखाने के लिए साइट कभी भी छत गिरने का डर: क्लासरूम की छत से पपड़ी गिर रही है, दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं और मॉनसून में पानी लीक हो रहा है। इन तंग कमरों में मासूम आदिवासी बच्चे कभी भी किसी बड़ी मुसीबत का शिकार हो सकते हैं। साल स्कूल में प्रवेशोत्सव जैसे प्रोग्राम मनाकर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन आदिवासी इलाकों के बच्चों को सुरक्षित क्लासरूम देने के लिए सिस्टम के पास बजट नहीं है? बार-बार कहने बाद भी सरकारी अधिकारी और हुक्मरान आदिवासी इलाकों के स्कूलों के प्रति इतना बेपरवाह और असंवेदनशील व्यवहार क्यों दिखाते हैं? क्या इन बच्चों को डर-मुक्त माहौल में पढ़ने का हक नहीं है सरकारी प्रोपेगैंडा और दावे ज़मीनी हकीकत (दाहोद ग्राउंड रिपोर्ट) वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन मॉडल किताबें पकड़े हुए तंग और टूटे-फूटे क्लासरूम में बैठे बच्चे करोड़ों रुपये का एजुकेशन बजट स्कूलों में बेसिक सुविधाओं और सेफ रूम की कमी आदिवासी समाज में जबरदस्त गुस्सा और बड़े आंदोलन को हवा इस तरह, आम आदमी पार्टी और आदिवासी समाज के नेता लंबे समय से आदिवासी इलाकों में शिक्षा, सेहत और बेसिक सुविधाओं के लिए आवाज़ उठाते रहे हैं। आज जब एक के बाद एक गांव में ऐसे टूटे-फूटे स्कूलों के दरवाज़े खुल रहे हैं, तो गांव वालों और पेरेंट्स का गुस्सा चरम पर है। स्थानीय लोगों की ज़ोरदार मांग है.

दशमी व्रत पूरा होने के बाद आस्था का अनादर: विसर्जन टैंक की कमी के कारण इंदिरा ब्रिज और छठ पूजा घाट के पास मूर्तियों की बुरी हालत, उन्हें उठाने के लिए JCB की ज़रूरत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दशमी के दस दिन के पवित्र व्रत और भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना के बाद, विसर्जन के दिन प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिन मूर्तियों की भक्तों ने दिन-रात पूजा की, व्रत पूरा होने के बाद उन्हीं देवी की मूर्तियों की बहुत बुरी हालत सड़कों पर देखी जा रही है। अहमदाबाद में साबरमती नदी पर इंदिरा ब्रिज के पास छठ पूजा घाट के पास विसर्जन के लिए सही इंतज़ाम या आर्टिफिशियल टैंक न होने के

कारण हज़ारों मूर्तियाँ सड़क के किनारे पड़ी रह गई हैं। हर साल की तरह इस साल भी इस इलाके में विसर्जन टैंक की सही संख्या न होने के कारण मूर्तियों के ढेर ज़मीन पर पड़े रह गए हैं, जिससे धार्मिक भावनाएँ आहत हो रही हैं। सिस्टम का खराब मैनेजमेंट और भक्तों की मजबूरी विसर्जन के लिए काफी टैंक की कम AMC ने नदी में गंदगी रोकने के लिए मूर्तियों के विसर्जन पर रोक लगा दी थी, लेकिन काफी संख्या में आर्टिफिशियल टैंक न होने की वजह से भक्तों को मजबूरन सड़क किनारे मूर्तियां रखनी पड़ीं। छठ पूजा घाट और इंदिरा ब्रिज के पास चढ़ानों पर लगे मूर्तियों के ढेर को हटाने के लिए,स्ट्र को आखिरकार JCB और बुलडोज़र की मदद लेनी पड़ी, जिससे देवी के भक्तों में काफी नाराज़गी है। सिस्टम की परफॉर्मेंस पर सवाल: लोहार से पहले बड़े-बड़े दावे करने वाली नगर निगम की टीम आखिरकार विसर्जन के लिए सही जगह या टैंक का इंतज़ाम क्यों नहीं कर पाई? स्थानीय निवासियों और देवी के भक्तों की ज़ोरदार मांग है कि,स्ट्र हर साल आने वाले इस धार्मिक त्योहार के लिए मूर्तियों के विसर्जन के लिए पहले से ही अच्छी तरह से व्यवस्थित और सम्मानजनक इंतज़ाम करे, ताकि आस्था की निशानी मूर्तियों को इस तरह से नुकसान न हो।

गुजरात में गाड़ी चलाने वालों पर फ्यूल पॉलिसी का हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। करोड़ों मिडिल क्लास गाड़ी चलाने वाले आज फ्यूल के नाम पर अलग-अलग पॉलिसी के बीच पिस रहे हैं। एनवायरनमेंट और इम्पोर्ट में कमी के बड़े-बड़े दावों के बीच, असलियत यह है कि आम नागरिक की कमाई का एक बड़ा हिस्सा गाड़ी के मेंटेनेंस और फ्यूल पर बर्बाद हो रहा है। अगर पूरे सिस्टम को देखें, तो आंकड़े और फैक्ट्स अपने आप सच बताते हैं।

1. पेट्रोल में 15-20% इथेनॉल: इंजन बदलने का खर्च जनता के कंधों पर

सरकार ने पेट्रोल में इथेनॉल का हिस्सा 20 परसेंट (श्र20) करने का टारगेट रखा है। लेकिन टेक्निकल सच्चाई यह है कि 2023 से पहले बनी ज़्यादातर गाड़ियों के इंजन और फ्यूल पाइप श्र20 फ्यूल के हिसाब से नहीं हैं। क्योंकि इथेनॉल पानी सोखता है, इसलिए पुरानी गाड़ियों में इंजन पिस्टन में जंग लग जाता है और उन्हें बहुत नुकसान होता है। इस वजह से, गाड़ी चलाने वालों को हर साल ?5,000 से ?15,000 का एक्स्ट्रा मेंटेनेंस खर्च उठाना पड़ता है। 15 साल की स्क्रैप पॉलिसी की वजह से आम आदमी अपनी चलती गाड़ी को स्क्रैप करके नई गाड़ी खरीदने पर मजबूर हो गया है, जिससे ऑटोमोबाइल कंपनियों को सीधे तौर पर अरबों रुपये का फायदा हो रहा है।

2. CNG की कीमतों में बढ़ोतरी: एक सस्ता ऑप्शन अब पुरानी बात हो गई है

गुजरात में जो स्ष्टत्र कभी ?35 से ?40 प्रति द्मद्द मिलती थी, वह अब लगभग 75 से ?80 तक पहुंच गई है। पेट्रोल और स्ष्टत्र की कीमतों में अब सिर्फ ?15 से 20 का फर्क है। CNG किट लगाने का खर्च ?40,000 से 60,000 है। अगर हम इंजन हेड और सस्पेंशन की एक्स्ट्रा टूट-फूट देखें, तो CNG गाड़ियों में बचत अब ज़ीरो हो गई है। ता है का लगभग 40' है।

छत्तीसगढ़ में एजुकेशन की दुनिया को कलंकित करने वाला एक बड़ा स्कैंडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। देश भर में पेपर लीक की घटनाओं के खिलाफ भारी गुस्से के बीच, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मौजूद इंदिरा गांधी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने एजुकेशन सिस्टम को हिलाकर रख दिया है. एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित B.Sc एग्रीकल्चर सेकंड ईयर की परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया और WhatsApp ग्रुप्स पर एक कथित 'गैस पेपर' वायरल हो गया था. एग्जाम पूरा होने के बाद जब असली क्वेश्चन पेपर और वायरल गैस पेपर का मिलान किया गया तो एडमिनिस्ट्रेशन के होश उड़ गए. ओरिजिनल क्वेश्चन पेपर के 70' से ज़्यादा सवाल वायरल PDF से हूबहू मैच कर रहे थे. जैसे ही यह लीक सामने आया, स्टूडेंट्स और स्टूडेंट ऑर्गनाइज़ेशन्स में भारी गुस्सा फैल गया, जिसके चलते यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन को देर शाम एग्जाम कैंसिल करने की ऑफिशियल घोषणा करनी पड़ी. WhatsApp पर वायरल पेपर और 70' मैच का चौंकाने वाला खेल मिली जानकारी के मुताबिक, BSc एग्रीकल्चर एंटोमोलॉजी का एग्जाम सुबह 10 बजे राज्य भर के 34 से ज़्यादा सेंटर्स पर शुरू होना था। लेकिन सुबह 8:50 बजे से ही कवर्धा समेत कई इलाकों में WhatsApp पर एक क्वेश्चन पेपर सर्कुलेट हो रहा था। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार और एग्जामिनेशन डायरेक्टर के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल हुए डॉक्यूमेंट का 70' डेटा ओरिजिनल क्वेश्चन पेपर से मिला था। यह कोई साधारण इत्तेफाक या सिर्फ अंदाज़ा नहीं था, बल्कि यूनिवर्सिटी के अंदर से प्राइवेसी तोड़कर पेपर लीक करने या स्कैम करने की एक सोची-समझी कोशिश थी।

विकसित गुजरात मॉडल की कड़वी सच्चाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। देश और दुनिया भर के हुक्मरान जिस 'विकसित गुजरात' और शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा पीट रहे हैं, उसकी सच्चाई छोटाउदेपुर जिले के नसवाड़ी तालुका के केवाड़ी गांव से सामने आई है। सरकारी किताबों में शिक्षा विभाग के लिए करोड़ों-अरबों रुपये का बजट मंजूर होता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि केवाड़ी गांव में सरकारी प्राइमरी स्कूल की बिल्डिंग खराब और टूटी-फूटी होने की वजह से पहली से पांचवीं तक के 55 मासूम आदिवासी बच्चे पिछले 3 साल से एक स्थानीय नागरिक के

घर में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। गांव के एक नागरिक का अनोखा त्याग और प्रशासन की खुली शर्मिंदगी केवड़ी गांव के स्थानीय निवासी मंगतेभाई मोती नाम के एक जागरूक नागरिक ने जो किया, वह करोड़ों के बजट का इस्तेमाल कर कुंभकर्णी नींद सो रहे शिक्षा विभाग और प्रशासनिक सिस्टम के मुंह पर एक करारा कोड़ा है। अपने गांव के मासूम बच्चों का भविष्य अंधकारमय न हो, इसके लिए मंगतेभाई ने बच्चों की पढ़ाई के लिए अपना बनाया हुआ पक्का घर अपने परिवार को सौंप दिया है! इतना ही नहीं, मंगतेभाई खुद अपने परिवार के साथ मिट्टी के घर (झोपड़ी) में रहने चले गए हैं। जो जिम्मेदारी और संवेदनशीलता सरकार और शिक्षा विभाग को दिखानी चाहिए थी, वह एक आम आदिवासी नागरिक को अपना घर छोड़कर करनी पड़ी। सरकारी सिस्टम के लिए इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है? 'पाको गुजरात' सिस्टम और सरकार से सीधे सवाल 1. शिक्षा मंत्री के विकास के दावे कहां गए?: कागज़ पर स्मार्ट क्लास और मॉडर्न स्कूल की बात करते हुए, क्या शिक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि केवड़ी गांव के बच्चों के पास पिछले 3 साल से सरकारी स्कूल की बिल्डिंग क्यों नहीं है.

अहमदाबाद में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली फैक्ट्रियों और डेयरियों पर ख्ष्ट की बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ख्ष्ट) के फ़ूड डिपार्टमेंट ने अहमदाबाद शहर में लोगों की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ करने वाले और फ़ूड सेफ़्टी नियमों को तोड़ने वाले असामाजिक तत्वों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की है। शहर में गंदे और मिलावटी खाने का सामान बेचने वाली यूनिट्स के ख़िलाफ़ सीलिंग समेत कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई है। खास जानकारी के आधार पर, ख्ष्ट की फ़ूड डिपार्टमेंट की टीम ने रखियाल रोड पर जय मंगल एस्टेट के शेड नंबर 15, गोदाम नंबर 1 और 3 में मौजूद 'श्री कृष्णा सेल्स कॉर्पोरेशन' का सरप्राइज़ इंस्पेक्शन किया। इस रेड के दौरान, टीम को मौके से भारी मात्रा में, लगभग 3000 द्मद्द, एक्सपायर हो चुका खाने का सामान मिला, जो लोगों की सेहत के लिए बहुत खतरनाक था। फ़ूड डिपार्टमेंट ने पूरा सामान ज़ब्त कर लिया है और गोदाम को तुरंत सील कर दिया है। यह बात सामने आई है कि सिर्फ़ गोदाम ही नहीं, बल्कि मशहूर होटलों और डेयरियों में भी मिलावट का धंधा फल-फूल रहा है हरिहर काठियावाड़ी (साउथ भोपाल): साउथ भोपाल इलाके के मशहूर होटल 'हरिहर काठियावाड़ी' से लिए गए पनीर के सैंपल के लैब टेस्ट में घटिया पाए जाने के बाद, फ़ूड डिपार्टमेंट ने इस यूनिट को सील करने की सख्त कार्रवाई की है।

जिनके घर शीशे के होते हैं तो दूसरों के घर में पत्थर नहीं मारते गांव में सामाजिक बहिष्कार की धमकी देकर अवैध वसूली करने वाले कितने दलाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कहते हैं जिसके घर शीशे के होते हैं उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं मारना चाहिए इसी तरीके से इस दुनिया में जिसने भी अगर अपनी मां का दूध पिया है और उसके बाद भी उसका पेट नहीं भरा है तो यह मानकर चलें दुनिया में वह किसी भी चीज या वस्तु को खा पीकर अपने पेट नहीं भर सकता राजनांदगांव जिले में लगातार हैरान कर देने वाली घटनाक्रम सामने आ रही है वह है सामाजिक बहिष्कार का मसलन गांव में बैठक में नहीं गया उसे सामाजिक बहिष्कार किसी की बेटी अगर दूसरे से शादी कर लिया तो सामाजिक बहिष्कार इतना ही नहीं सरकार अंतर राज्य विवाह के लिए ?50000 प्रोत्साहन राशि दे रही है लेकिन गांव के कुछ दलाल एक से लेकर ?2 लाख तक के ऐसे मामले पर वसूली कर रहे हैं हर गांव की स्थिति यही है छत्तीसगढ़ में लगभग सभी गांव में यही स्थिति है यहां कानून से अलग समानांतर सरकार चलती है आज मामला राजनांदगांव से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित डिलापहरी गांव का आया है जहां पर 22 परिवारों को इसलिए समाज से बहिष्कृत कर दिया कि किसी ने इंटर कास्ट मैरिज किया है तो किसी ने सामाजिक बैठक की बात को नहीं मानी है तो किसी को एक लाख की डिमांड की गई थी जिन्होंने 50000 जमा की है इसलिए सामाजिक बहिष्कार और मजेदार बात यह है कि इसमें कुछ जनप्रतिनिधि शामिल है हैरान और परेशान करने वाली बात तो यह है कि जो काम कानून के दायरे में रहकर संविधान के दायरे में रहकर होना चाहिए वह काम दिन के उजाले में गांव के कुछ चंद दलाल नुमा लोगों के व्यक्तिगत खुन्नस की वजह से हो रही है ऐसे बेतुके निर्णय सामने आ रहे हैं इसी तरीके से छुरिया ब्लॉक के बननवागांव में पन्नालाल रामटेके को इसलिए समाज से बहिष्कृत कर दिया कि उन्होंने गांव में चंदा नहीं दिया इसी तरीके से छुरिया ब्लाक के घेरूघाट निवासी करण यादव को को इसलिए समाज से बहिष्कृत कर दिया कि उन्होंने अपने गली में पढ़ने वाले एक पेड़ को काट दिया वहां के मुखियाओं को नागवार गुजरा और उन्होंने उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया जब किसी व्यक्ति को समाज से बहिष्कृत किया जाता है तो उनका खान-पान राग रंग हंसी खुशी सारा कुछ छीन जाता है कुछ ऐसा ही डीलापहरी के शेषनारायण वर्मा के साथ हुआ जब उन्हें समाज से बहिष्कृत किया गया और लंबी चौड़ी पैसे की डिमांड की गई उसकी पत्नी और उसमें बहस हो गई और उसकी पत्नी घर छोड़कर एक महीने से गायब है उनकी बेटी दूसरे कास्ट से मैरिज कर ली है गौरतलब है की इंटर कास्ट मैरिज में सरकार प्रोत्साहन राशि देती है लेकिन यहां गांव देहात के कुछ दलाल नुमा लोग तो इन्हें कमाई का जरिया बना लिया है इसी तरीका से राजनांदगांव से महाराष्ट्र रोड पर 13 किलोमीटर दूरी पर स्थित जी रोड कोपेडीह में भारत लाल वर्मा को इसलिए समाज से बहिष्कृत किया गया है कि उन्होंने मंच की जगह में कुछ जगह को अतिक्रमण कर लिया है.

ममतानगर गली नंबर 5 में अतिक्रमण हटवाकर महापौर ने आवागमन हेतु मार्ग खुलवाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राजनांदगॉव महापौर ने आज ममतानगर गली नं. 05 में अवैध अतिक्रमण की एक शिकायत पर संज्ञान लेकर निगम अलमे के साथ स्थल निरीक्षण करके अवरूद्ध मार्ग को खुलवाने एवं पुनः उस मार्ग पर आवागमन प्रारंभ करवाने की कार्यवाही की। इस दौरान महापौर के साथ निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, निगम ईई दीपक कुमार खाण्डे एवं अन्य कर्मचारीगण सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महापौर ने अतिक्रमणकर्ता साहू परिवार को समझाईश देकर शासकीय कार्य में सहयोग देने एवं सार्वजनिक मार्ग में मलबा पाटकर मार्ग अवरूद्ध ना करने की चेतावनी देते हुए मार्ग से क्षतिग्रस्त निर्माण कार्य का मलबा हटवाया। तत्पश्चात् महापौर एवं निगम प्रशासन की देखरेख में मौके पर मुरम डलवाकर जेसीबी से मार्ग समतलीकरण करवाया गया और इस तरह महापौर मधुसूदन के हस्तक्षेप के बाद मोहल्ले में कई दिनों से चल रहे विवाद का पटाक्षेप हुआ। उल्लेखनीय है कि राजनांदगॉव शहर के वार्ड नं.18 ममता नगर क्षेत्र अंतर्गत गली नंबर पॉच के वार्डवायिसों ने मार्ग अतिक्रमण की शिकायत निगम प्रशासन से की थी और आरोप लगाया था कि वार्डवासियों को कालोनाईजर द्वारा उक्त अतिक्रमित मार्ग को दिखाकर वर्षो पहले प्लाट बेचे गये थे, और निगम को उक्त मार्ग हस्तांतरित करने की जानकारी दी गई थी। किन्तु अब कई वर्षो के उपरांत अचानक रातोंरात अवैध रूप से मार्ग को अवरूद्ध करते विगत दो माह से उन्हें प्रताड़ित किया जाता रहा है। उक्त शिकायत पर संज्ञान लेकर महापौर के निर्देश पर गुरूवार को निगम अमले ने विवादित स्थल पर जाकर मार्ग को अतिक्रमणमुक्त करने की कार्यवाही को अंजाम दिया था। ममता नगर, गली नंबर 5 स्थित शहीद चैक से मित्र चैक होकर न्यू खंडेलवॉल कॉलोनी पहुँच मार्ग पर साहू परिवार द्वारा वर्षो से आवागमन हेतु प्रयुक्त सार्वजनिक मार्ग को निजी भूमि बताकर प्रीकास्ट वॉल एवं गेट लगाकर सार्वजनिक आवागमन का मार्ग अवरूद्ध किया गया था, जिसे दो दिन पहले आनंद विहार कॉलोनी एवं अन्य वार्डवासियों की शिकायत पर निगम प्रशासन ने अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की थी ।

झालोद में फूड डिपार्टमेंट की मेगा ड्राइवः फरसाण और मटन की दुकानों में सिस्टम की तवई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। खाने की चीज़ों की क्वालिटी, हाइजीन और फूड सेफ्टी के नियमों का पालन पक्का करने के लिए प्रशासन और फूड डिपार्टमेंट की तरफ से झालोद नगर में मेगा ड्राइव चलाया गया। प्रोविंशियल ऑफिसर ए.के. भाटिया की गाइडेंस में इस ऑपरेशन के दौरान अलग-अलग फरसाण, स्नैक हाउस, होटल और मटन की दुकानों में इंटेंसिव इंस्पेक्शन किया गया। इंस्पेक्शन के दौरान दुकानदारों को हर दिन फ्रिज साफ रखने, खाने की चीज़ें प्लास्टिक बैग में न रखने, एयरटाइट कंटेनर इस्तेमाल करने, दुकानों को हर दिन लिक्विड से साफ करने और पीने के पानी की प्योरिटी बनाए रखने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही हर दुकान का फूड लाइसेंस भी चेक किया गया। जांच के दौरान घरेलू गैस इस्तेमाल करने वाले कुछ दुकानदारों से गैस जब्त की गई। होटलों में पैक्ड फरसाण समेत खाद्य पदार्थों की पैकिंग और एक्सपायरी डेट की जांच की गई। नियमों का पालन नहीं करने और सफाई की कमी वाली दुकानों के खिलाफ नगरपालिका ने 1000 रुपये का जुर्माना लगाया। इस मेगा ड्राइव के दौरान भरकादेवी, छासवाला, पटेल स्नैक हाउस, अंबिका स्नैक हाउस, मारुति होटल, जय अंबे डाइनिंग हॉल, सत्कार होटल, जोधपुर, जय हिंद, होटल श्री अन्नपूर्णा, जलाराम परोठा, श्री गणेश, पवन नमकीन, ज़ायका, यादचर, अल्ताफ, रानिया मटन शॉप और साजिद मटन सहित दुकानों में निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि शहर के कुछ फरसाण और मटन की दुकानों के दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर रहे थे। जांच के दौरान लगभग तीन मटन की दुकानें और एक फरसाण की दुकान को सील कर दिया गया। परमार, नगर पालिका की चीफ ऑफिसर वैशालीबेन निनामा, फूड सेफ्टी ऑफिसर उर्वीबेन एस. माल, डिप्टी ममलतदार इस कार्रवाई में मौजूद थे। झालोद शहर में चल रही मटन की कितनी दुकानों के पास ज़रूरी फूड लाइसेंस है और कितनी दुकानें नियमों का पालन किए बिना कारोबार कर रही हैं, इसकी गहन जांच करने की ज़रूरत है। खास तौर पर, बिना लाइसेंस चल रही मटन दुकानों के खिलाफ फूड डिपार्टमेंट कब कानूनी कार्रवाई करेगा, यह सवाल भी शहरवासियों के बीच उठ खड़ा हुआ है। फूड डिपार्टमेंट की इस बड़ी कार्रवाई के बाद फूड बिजनेस से जुड़े व्यापारियों में हड़कंप मच गया और प्रशासन की तरफ से साफ-सफाई और फूड सेफ्टी के नियमों का पालन करने का सख्त संदेश दिया गया।

भ्रष्टाचार के गड्डें में आम लोगों की ज़िंदगी: सांसरोद-नरेश्वर रोड 'मौत का जाल' बन गई है, प्रशासन के पापों का खामियाजा लोग भुगत रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सनपुरा/करजण। सरकार करोड़ों रुपये के विकास का दावा करती है, लेकिन करजण तालुका के सांसरोद से प्रसिद्ध तीर्थस्थल नरेश्वर तक जाने वाली सड़क प्रशासन की घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार की जीती-जागती तस्वीर पेश करती है। पिछले कुछ सालों से यह सड़क इतनी खराब हो गई है कि यह तय करना मुश्किल हो गया है कि इसे 'सड़क' कहें या 'मौत का कुआं'। सड़क से डामर गायब हो गया है और जगह-जगह 1 से 2 फीट गहरे का साम्राज्य बन गया है। मानसून में 'साइलेंट किलर' बन जाते हैं मानसून के मौसम में बारिश का पानी भरने से ये 'साइलेंट किलर' साबित हो रहे हैं। इनमें पानी भरा होने की वजह से गाड़ी चलाने वालों को की गहराई का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं होता। खासकर रोज़ाना काम और बिज़नेस पर जाने वाले चार पहिया वाहन और गाड़ी चलाने वालों के लिए इस सड़क से गुज़रना अपनी जान हथेली पर रखने जैसा है। से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है या गाड़ी घुमानी पड़ती है, जिससे रोज़ाना छोटे-बड़े एक्सीडेंट हो रहे हैं। यह सड़क सिर्फ़ एक सड़क नहीं, बल्कि आस-पास के दर्जनों गांवों की लाइफ़लाइन है

स्टूडेंट्स-एम्प्लॉई: स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट और एम्प्लॉई समय पर नहीं पहुंच पाते और हमेशा एक्सीडेंट का डर बना रहता है। किसानों की हालतः अपनी उपज और सामान को मंडी ले जाते समय किसानों की गाड़ियां खराब हो जाती हैं और उन्हें दोगुना किराया देना पड़ता है। मरीजों के लिए मुसीबतः सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस सड़क पर एम्बुलेंस जैसी इमरजेंसी गाड़ियां भी फंस जाती हैं। किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज़ या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने में देरी किसी की जान भी ले सकती है। एडवोकेट मिनेश वकीलन, करजन तालुका कांग्रेस प्रेसिडेंट पिंटू पटेल के साथ-साथ लोकल वकीलों और नेताओं ने सिस्टम पर कड़ा हमला बोला है और सवाल उठाए हैं, 'हर साल कागज़ पर दावा किया जाता है कि जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये खर्च करके सड़कें बनाई जा रही हैं, तो ये सड़कें कुछ ही महीनों में क्यों बह जाती हैं? इतना घटिया मटीरियल इस्तेमाल करने वाले कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों की मिलीभगत की जांच क्यों नहीं होती? लोकल गांववालों और गाड़ी चलाने वालों की बर्दाश्त की हद अब हो गई है। लोग साफ तौर पर मांग कर रहे हैं कि हर बार सिर्फ मिट्टी या बजरी डालकर भरने का टेम्परری ड्रामा बंद होना चाहिए।

प्त चीनी के दामों ने बढ़ाई चिंता, त्योहारों से पहले सरकार ने खोला आयात का रास्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों से लेकर मिठाई और खाद्य कारोबारियों तक की चिंता बढ़ा दी है। घरेलू बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ने के बीच केंद्र सरकार ने करीब एक दशक बाद 1 मिलियन टन यानी 10 लाख टन कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात की अनुमति दी है। सरकार का उद्देश्य त्योहारों से पहले बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर कीमतों पर नियंत्रण पाना है। चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे सीमित आपूर्ति, मौसम से गन्ने की फसल पर असर और अगस्त से नवंबर के बीच त्योहारों के कारण बढ़ने वाली मांग को प्रमुख वजह माना जा रहा है। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली के दौरान मिठाइयों और खाद्य उत्पादों की मांग बढ़ने से चीनी की खपत भी बढ़ती है। इसी दबाव के बीच सरकार ने आयात का फैसला लिया है।ठ सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम कमी रोकने के लिए स्टॉक लिमिट भी कड़ी की है। 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी इस्तेमाल करने वाले बड़े उपभोक्ताओं को सीमित अवधि का ही स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। चीनी मिलों से बिक्री और खरीदारों से जुड़ी जानकारी भी मांगी गई है, ताकि बाजार में उपलब्धता और कीमतों की निगरानी की जा सके। ड्यूटी-फ्री आयात की अनुमति 31 अक्टूबर 2026 तक है और आयातित कच्ची चीनी से तैयार चीनी को घरेलू बाजार में उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार को उम्मीद है कि इससे त्योहारों के दौरान आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों पर दबाव कम होगा। 20 नीति को लेकर सोशल मीडिया पर चीनी महंगी होने के दावे भी चर्चा में हैं, लेकिन मौजूदा कीमत वृद्धि को केवल इथेनॉल नीति से जोड़ना सही नहीं होगा। इस समय आपूर्ति, फसल और त्योहारों की मांग समेत कई कारक बाजार को प्रभावित कर रहे हैं। अब बड़ा सवाल यही है

रास्ता बंद करने और धमकी के आरोपों पर कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। ममता नगर के वार्ड क्रमांक 18 की गली नंबर 5 में आम रास्ते को बंद किए जाने के विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि रास्ते में अतिक्रमण किए जाने के कारण लंबे समय से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। स्कूल बस बच्चों के घरों तक नहीं पहुंच पा रही थी वहीं बुजुर्गों, बच्चों और अन्य वार्डवासियों को भी आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मामले में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई किए जाने के बाद भी विवाद थमने के बजाय और बढ़ गया है। मामले को लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के नेतृत्व में पार्षद संगीता देवांगन एवं समस्त मोहल्लेवासियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में नूतन साहू, भोला राम साहू एवं उनके परिवार के सदस्यों पर रास्ते से गुजरने वाले लोगों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि आम रास्ते को लेकर मोहल्लेवासियों की मांग के बाद नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इसी दौरान नगर निगम की संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने और निगम के वाहन चालक पर हमला किए जाने के मामले में नूतन साहू एवं परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद संबंधित लोगों के खिलाफ अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कार्रवाई नहीं होने से मोहल्ले का वातावरण लगातार खराब हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई कि यदि समय रहते मामले में पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया तो भविष्य में किसी बड़ी घटना की स्थिति निर्मित हो सकती है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि रास्ते में दरवाजे का मलबा अब भी सड़क पर रखा हुआ है, जिसके कारण आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सड़क पर पड़े मलबे को तत्काल हटवाने तथा आम रास्ते को सुचारू कराने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से दर्ज एफआईआर पर तत्काल उचित कार्रवाई करने, विवाद की स्थिति को नियंत्रित करने तथा मोहल्लेवासियों को सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया गया है।

पल का मंदिर या भ्रष्टाचार की फैक्ट्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। तस्वीर सामने आ रही है कि गुजरात यूनिवर्सिटी, जो सबसे पुरानी, सबसे इज्ज़तदार और हज़ारों स्टूडेंट्स का भविष्य बनाने वाली यूनिवर्सिटी है, सीखने की जगह कम और घोटालों का अड्डा ज़्यादा बन गई है। पूरा एकेडमिक जगत हैरान है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री के नाम से जुड़ी सबसे बड़ी एजुकेशनल स्कीम के लिए दिए गए ?40 करोड़ के मतबर फंड का कोई हिसाब नहीं मिल रहा है। इतना ही नहीं, इस घोटाले का असली चेहरा तब सामने आया जब यूनिवर्सिटी की पहली महिला वाइस-चांसलर डॉ. नीरजा गुप्ता इस फाइनेंशियल गड़बड़ियों के सेंटर में हैं। केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी को शिक्षा के क्षेत्र में लेटेस्ट रिसर्च, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टूडेंट डेवलपमेंट के लिए ?40 करोड़ की भारी-भरकम ग्रांट दी थी। इस स्कीम को PM का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा था। दिव्य भास्कर को मिले ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्स और RTI से मिली जानकारी के मुताबिककोई यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट नहीं स्कीम पूरी होने के बावजूद, इस बात का कोई खास 'यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट' या सरकारी ऑडिट रिपोर्ट मौजूद नहीं है कि इन ?40 करोड़ का इस्तेमाल कहां हुआ, किन एजेंसियों को पेमेंट किया गया या किस मकसद से किया गया।

कागजों पर दिखावटी काम और डेवलपमेंट: दावा किया जाता है कि इतनी बड़ी रकम का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि यूनिवर्सिटी के ग्राउंड लेवल पर स्टूडेंट्स को इस स्कीम से एक भी रुपये का फायदा हुआ हो। किसी भी सरकारी या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में 'कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट' को एक गंभीर जुर्म माना जाता है। लेकिन मैडम VC डॉ. नीरजा गुप्ता सभी कानूनों, नियमों और एथिक्स को तोड़ने के लिए एक्सपोज हुई हैं। खुद को नियुक्तः यूनिवर्सिटी की हेड होने के नाते, नीरजा गुप्ता के पास सभी प्रोजेक्ट्स और फाइनेंशियल अप्रूवल को अप्रूव करने की पावर है। उन्होंने इस पावर का गलत इस्तेमाल किया और इस 40 करोड़ के प्रोजेक्ट में 'प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर' के तौर पर अपना नाम अप्रूव कर दिया!

डबल सैलरी और लाखों का ऑनरेरियम: वाइस चांसलर के तौर पर सरकार से लाखों रुपये महीने की सैलरी और सभी सरकारी सुविधाएं लेने के बावजूद, उन्होंने इस प्रोजेक्ट के 'इन्वेस्टिगेटर' के तौर पर अपने नाम पर लाखों रुपये की एक्स्ट्रा सैलरी और 'ऑनरेरियम' लिया। अप्रूवर खुद हैं, एक्सेप्टर खुद हैं: फाइनेंशियल बिल पास करने वाली ऑफिसर भी डॉ. नीरजा गुप्ता हैं और उस बिल का चेक उनके नाम पर लेने वाली भी डॉ. नीरजा गुप्ता हैं! इस तरह के गलत एडमिनिस्ट्रेटिव रवैये ने पूरी यूनिवर्सिटी की इज्जत खराब कर दी है। इस स्कैंडलस रिपोर्ट के सामने आते ही यूनिवर्सिटी कैंपस में काफी गुस्सा है। इस मुद्दे पर स्टूडेंट ऑर्गनाइज़ेशन, प्रोफ़ेसर और सिंडिकेट मेंबर में बहुत गुस्सा है। एजुकेशन की दुनिया में चल रहे इस बड़े स्कैम के हर कागज और सबूत को जनता के सामने लाता रहेगा। यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक 40 करोड़ रुपये के हर एक रुपये का हिसाब नहीं मिल जाता और दोषियों के खिलाफ एक्शन नहीं हो जाता!

छोटाउदेपुर तालुका के तेजगढ़ में चल रहे आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल में ट्राइबल डिपार्टमेंट की बड़ी लापरवाही सामने आई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। तालुका के तेजगढ़ में चल रहे आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल में 9वीं से 12वीं तक करीब 200 स्टूडेंट्स पढ़ते हैं। इस स्कूल को ट्राइबल डिपार्टमेंट के कमिश्नर का ऑफिस मैनेज करता है। स्कूल चलाने पर हर साल एक करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ट्राइबल बच्चों को रहने और खाने की सुविधा दी जाती है। बच्चों की शिकायतों के बाद जब ट्राइबल कम्युनिटी के लोग और पेरेंट्स इस स्कूल में पहुंचे तो

चौंकाने वाली बातें सामने आईं, जिसमें बताया गया कि ट्राइबल बच्चों को मेन्यू के हिसाब से खाना नहीं दिया जाता, जबकि यह स्कूल बोरिंग है। बंद हालत में होने की वजह से बच्चों को पानी भरने के लिए बाहर जाना पड़ता है। हॉस्टल बिल्डिंग में करीब 20 दरवाज़े हैं, लेकिन उनमें से एक भी नहीं लगाया गया है। खुले कमरों में बिजली के तार हैं। स्टूडेंट्स ने इस बारे में पेरेंट्स और नेताओं से शिकायत की है। आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल के प्रिंसिपल हफ़्ते में सिर्फ़ एक बार आते हैं। अच्छा खाना न मिलने की भी शिकायतें मिली हैं। स्कूल ने पेरेंट्स और नेताओं से संपर्क किया है और ज़ोरदार तरीके से अपनी बात रखी है। आदिवासी समुदाय के नेता विनूभाई राठवा के मुताबिक, छोटा उदयपुर तालुका के तेजगढ़ में मौजूद आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल में बच्चों का शोषण हो रहा है। सरकार आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल चलाने के लिए आदिवासी विभाग को करोड़ों रुपये की ग्रांट देती है, लेकिन बच्चों को सुविधाएँ नहीं मिलतीं। अगर इसमें सुधार नहीं हुआ तो हम 10 दिनों में ज़ोरदार आंदोलन करेंगे।द्व स्कूल के प्रिंसिपल अल्पेशभाई धोकई के मुताबिक, मैं इंचार्ज हूँ, इसलिए हफ़्ते में सिर्फ़ 3 दिन स्कूल आता हूँ और जो दरवाज़े लगने हैं, उनमें दिक्कत है।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

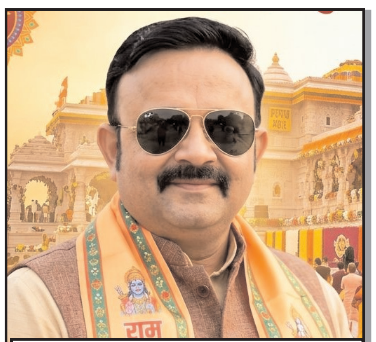

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध

अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

मिठास की खटास

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह,यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दशार्ता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

अहमदाबाद का सनसनीखेज डबल मर्डर: DCP चैतन्य मांडलिक की टीम ने क्राइम ब्रांच के लिए सवालिया निशान बने इस केस को कैसे सुलझाया?

अहमदाबाद। पॉश सोला भागवत रोड पर सुभाष फार्म के पास एक बंगले में हुए डबल मर्डर और लूट की घटना ने पूरे गुजरात में हलचल मचा दी थी। घर के मुखिया दयानंद परिहार और उनकी पत्नी विजयाबेन की धारदार हथियारों से बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हत्यारे घर से लाखों कैश और गहने लूटकर भाग गए थे। शहर के सबसे सुरक्षित इलाके में हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया और होम डिपार्टमेंट से लेकर आम जनता तक इस हत्यारे गैंग को पकड़ने का भारी दबाव था।

पुलिस के लिए अजीब हालात और बड़ी चुनौतियां

जब कंस्ट्रक्शन वाली सुबह काम करने वाली महिला घर पहुंची तो कपल खून से लथपथ हालत में मिले। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम को शुरुआती जांच में ही बड़ा झटका लगा

सबूतों की पूरी कमी: आरोपी इतने चालाक थे कि उन्होंने वारदात करते समय ग्लव्स पहने थे, जिसकी वजह से घर में किसी के फिंगरप्रिंट नहीं मिले।

छ्ङ्क्र गायब: हत्यारे बंगले के अपने CCTV कैमरे का छ्ङ्क्र बॉक्स भी तोड़कर अपने साथ ले गए थे, ताकि उनका कोई चेहरा रिकॉर्ड न हो सके। कोई चश्मदीद नहीं: चूंकि घटना देर रात हुई थी, इसलिए कोई चश्मदीद नहीं था। गैंग की पहचान का सवाल: पुलिस के लिए यह समझना मुश्किल था कि यह किसी लोकल गैंग का काम था, चोरी के इरादे से आए किसी इंटरस्टेट लुटेरे गैंग का या कोई पर्सनल दुश्मनी।

DCP चैतन्य मांडलिक का मास्टरप्लान और इन्वेस्टिगेशन स्ट्रैटेजी

केस की गंभीरता और जटिलता को ध्यान में रखते हुए, इन्वेस्टिगेशन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के उस समय के DCP चैतन्य मांडलिक को सौंपी गई। उन्होंने क्राइम पैटर्न को समझकर एक मजबूत मास्टरप्लान तैयार किया और अपनी टीम को तीन अलग-अलग खास कामों में बांटा

1. **डंप डेटा एनालिसिस (टेक्निकल सर्विलांस):** DCP मांडलिक के डायरेक्शन में, टेक्निकल टीम ने घटना की जगह से 2 द्मद्व के दायरे में एक्टिवेट सभी मोबाइल नंबरों का 'डंप डेटा' इकट्ठा किया। 50,000 से ज़्यादा कॉल डिटेल्स का फ़िल्टरेशन किया गया।

2. **मेगा CCTV स्कैनिंग:** सोला, साइंस सिटी से लेकर एस.जी. हाईवे और शहर के बाहर निकलने के रास्तों पर लगे 300 से ज़्यादा CCTV कैमरों की फुटेज दिन-रात चेक की गई।

3. **ह्यूमन इंटेलिजेंस और रेकी एंगल:** इस बंगले में पहले काम कर चुके ड्राइवरों, हाउसकीपर्स, पेंटर्स या कारपेंटर्स के रिकॉर्ड चेक किए गए।

72 घंटे का हाई-वोल्टेज ऑपरेशन और केस सॉल्व हुआ

CCTV एनालिसिस के दौरान, एक खास फुटेज में दो संदिग्ध युवक आधी रात को बाइक चलाते हुए दिखे, जिन्होंने अपने चेहरे पर रूमाल बांधा हुआ था। उसी समय, एक नया और संदिग्ध मोबाइल नंबर उस इलाके के डंप डेटा से मैच कर गया, जो क्राइम से कुछ देर पहले

एक्टिवेट हुआ था और घटना के बाद बंद हो गया था। DCP चैतन्य मांडलिक और उनकी टीम ने नंबर को ट्रैक किया और लोकेशन मध्य प्रदेश-गुजरात बॉर्डर की तरफ मिली। क्राइम ब्रांच की टीम ने बिना देर किए पीछा किया और मुख्य आरोपी राहुल और उसके साथी को दाहोद बॉर्डर के पास घेर लिया।

सनसनीखेज खुलासा

आरोपियों से कड़ी पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। मुख्य आरोपी पहले उस बंगले में पेंटिंग का काम करता था। उसे पता था कि बुजुर्ग दंपत्ति अकेले रहते हैं और उनके पास बहुत सारा कैश है। उसने और उसके साथी ने कई दिनों तक रेकी की और मौका मिलते ही वे लूटपाट के इरादे से घर में घुसे और दंपत्ति की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से 45 लाख रुपये कैश, सोने-चांदी के गहने और हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद किए। DCP चैतन्य मांडलिक की खास लीडरशिप, टेक्निकल सर्विलांस और तेज ह्यूमन नेटवर्क की वजह से यह मुश्किल केस सिर्फ 72 घंटों में सॉल्व हो गया, जिससे अहमदाबाद पुलिस की साख और मजबूत हुई।

क्या आपको लगता है कि लोग आपको आसानी से आगे बढ़ने देंगे?

जिस पेड़ पर मीठे फल लगते हैं, पत्थर भी उसी पेड़ पर पड़ते हैं। सूखे या बंजर पेड़ की तरफ तो कोई देखता भी नहीं।यह समाज और मानव स्वभाव की एक कड़वी सच्चाई है। जब तक आप शांत बैठे हैं, भीड़ का हिस्सा बनकर एक सामान्य जीवन जी रहे हैं, तब तक किसी को आपसे कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन जिस पल आप कुछ अलग करने की सोचते हैं, अपने सपनों के पीछे भागना शुरू करते हैं और सफलता की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हैं, ठीक उसी पल सवालों, रुकावटों और आलोचनाओं की बौछार शुरू हो जाती है। सच्चाई यह है कि यह दुनिया आपके लिए कभी रेड कार्पेट नहीं बिछाएगी। सफलता के रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती कोई पहाड़ नहीं, बल्कि लोगों की नकारात्मक मानसिकता होती है।

आलोचकों की मानसिकता और टांग खींचने की आदत

समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो खुद कुछ नया करने

का साहस नहीं जुटा पाता। जब कोई व्यक्ति अपनी मेहनत के दम पर आगे बढ़ता है, तो निष्क्रिय बैठे लोगों को अपनी कमियां चुभने लगती हैं। खुद को सही साबित करने के लिए वे काम करने वाले की गलतियां ढूंढने लगते हैं। यह ठीक 'केकड़े की प्रवृत्ति' जैसी है—यदि टोकरी में से एक केकड़ा बाहर निकलने की कोशिश करे, तो बाकी सब मिलकर उसे नीचे खींच लेते हैं। कुछ नया रचने में बरसों की तपस्या और पसीना लगता है, लेकिन उस पर उंगली उठाने में केवल एक पल। पतंग भी आसमान की ऊंचाइयों को तभी छूती है जब वह हवा के अनुकूल नहीं, बल्कि विपरीत दिशा में उड़ती है। जीवन में लोगों का विरोध भी उसी विपरीत हवा की तरह है वह आपको गिराने के लिए नहीं, बल्कि और ऊंची उड़ान भरने की ताकत देने आता है। 'हाथी जब बाजार से गुजरता है, तो पीछे कई आवाजें होती हैं, लेकिन हाथी कभी रुककर सफाई नहीं देता; वह अपनी ही धुन में आगे बढ़ता रहता है।' जब लोग आलोचना करें: गुस्से में आकर विवाद में न पड़ें; मौन रहकर अपने काम पर ध्यान दें।

जब लोग शक करें: अपना आत्मविश्वास न खोएं; बेहतरीन परिणाम देकर उनकी बोलती बंद करें।

जब लोग रास्ता रोकें: डरकर पीछे न हटें; अपने संकल्प को दोगुना करके आगे बढ़ते रहें।

चिराग बनकर जलना आसान नहीं है, क्योंकि हवा हमेशा उसे बुझाने की फिराक में रहती है। लेकिन जो तूफानों से लड़कर जलता है, इतिहास उसी को याद रखता है।

जो लोग आपके संघर्ष में कभी साथ नहीं थे, उन्हें आपकी सफलता पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। लोग आपको आसानी से आगे नहीं बढ़ने देंगे, यह सच है; लेकिन उससे भी बड़ा सच यह है कि आपको आगे बढ़ने से रोकने की ताकत भी किसी में नहीं है, जब तक कि आप खुद हार न मान लें। लोगों की बातों को दरकिनार करें, अपने परिश्रम पर अटूट भरोसा रखें और मजबूत इरादों के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें!

(नेशनल मेडलिस्ट) दर्शना पटेल
(नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर.

UP में चीनी की कालाबाजारी पर नकेल, CM योगी का सख्त आदेश, 400 टन से ज्यादा स्टॉक पर होगा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी ने राज्य में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी और ओवरप्राइसिंग पर रोक लगाने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं. सीएम ने 400 टन से ज्यादा स्टॉक रखने या 30 दिनों से ज्यादा भंडारण करने वाले डीलरों के खिलाफ एस्मा के तहत कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राज्य में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी व ओवरप्राइसिंग पर पूरी तरह रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए हैं. प्रदेश की चीनी मिलों में पर्याप्त चीनी भंडार मौजूद है., सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि यदि कोई भी डीलर एक समय में 400 टन से अधिक स्टॉक रखता है या 30 दिन से अधिक समय तक भंडारण करता है तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी. समीक्षा बैठक के अनुसार, प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख क्विंटल चीनी उपलब्ध है. इसमें सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख क्विंटल, निगम चीनी मिलों में 5.28 लाख क्विंटल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख क्विंटल का भंडार शामिल है. अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 30 दिन से अधिक चीनी का स्टॉक भंडारण करने या 400 टन से ज्यादा स्टॉक रखने वालों पर एस्मा लगाकर कड़ी कार्रवाई की जाए. बैठक में सरकार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान किया है. राज्य के 48 लाख किसानों को 3217 करोड़ रुपये बांटे गए हैं. इसके साथ ही प्रदेश में गन्ने का नया पेराई सत्र आगामी 15 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है.

यूपी विधानसभा, सचिवालय और अध्यक्ष के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पर होगी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा, विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष के बारे में सोशल मीडिया पर अनर्गल, गलत एवं निराधार टिप्पणी करने वालों पर अब कानूनी कार्रवाई की जाएगी. विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है. उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने सोशल मीडिया पर विधानसभा, सचिवालय और अध्यक्ष के खिलाफ निराधार और गलत

टिप्पणियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई का आदेश जारी किया है. प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने स्पष्ट किया है कि बिना प्रमाण के फैलाई गई कोई भी सामग्री कानून के खिलाफ मानी जाएगी. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म संचालकों और संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि आपत्तिजनक पोस्ट पर भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज की जा सकती है. विधानसभा सचिवालय में प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे द्वारा सूचना निदेशक, सूचना निदेशालय, लखनऊ को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विधानसभा और सचिवालय को लेकर निराधार सामग्री पोस्ट की जा रही है. विधानसभा एक संवैधानिक संस्था है, ऐसे में विधानसभा, उसके अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संवैधानिक प्राधिकारियों के संदर्भ में आपत्तिजनक व अवांछनीय टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित और कानून के खिलाफ है. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बिना फैक्ट के प्रमाणीकरण के पोस्ट किया गया कोई भी कंटेंट या टिप्पणी पूरी तरह अनधिकृत और कानून के खिलाफ मानी जाएगी. जारी निर्देश के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म संचालकों और संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट किया गया है कि आपत्तिजनक पोस्ट पर सुसंगत नियमों और विधिक प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई होगी. मामले में भारतीय न्याय संहिता के तहत FIR दर्ज कराई जा सकती है. इस आदेश की प्रतिलिपि आवश्यक कार्यवाही के लिए अपर मुख्य सचिव (सूचना एवं गृह विभाग) संजय प्रसाद और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को भी भेजी गई है.

700 किलो मिलावटी मावा-पनीर जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 700 किलो मिलावटी मावा और पनीर जब्त किया है. साथ ही, मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाले रिफाइंड तेल, SMP और वनस्पति के सैंपल भी लिए हैं. देश भर में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण सख्त कार्रवाई कर रहा है. त्योहारी सीज़न के मद्देनजर FSSAI की यह कार्रवाई और तेज हो गई है. उत्तर प्रदेश हापुड़ में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी

मात्रा में मिलावटी पनीर और मावा बरामद किया है. खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन ने छापेमारी करते हुए 700 किलो मिलावटी मावा और पनीर बरामद किया है. देर रात यह छापेमारी की गई. मौके पर खाद्य विभाग ने पाया कि जमीन पर डालकर मिलावटी मावा तैयार किया जा रहा था. तीन जिलों की टीम ने मिलकर धौलाना तहसील क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है. धौलाना तहसील क्षेत्र में तीन स्थानों पर मिलवाटी मावा बनाए जाने की सूचना पर खाद्य विभाग की टीम ने यह बड़ी कार्रवाई की है. मौके पर ज़मीन पर डालकर मावा तैयार किया जा रहा था. अन्य मिठाइयों में भी यही मावा इस्तेमाल किया जा रहा था. खाद्य विभाग ने मौके से 700 किलो मिलावटी मावा और पनीर बरामद किया है.

'विरोधी महिलाओं को भेजते हैं, कहते हैं- इसे पटा लो
MP के विधायक प्रीतम लोधी का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का एक वीडियो वायरल है. इस वीडियो में विधायक कुछ महिलाओं पर झगड़ा करने और उनके खिलाफ रेप का केस दर्ज कराने के लिए उकसाने जैसी बात कहते सुनाई दे रहे हैं. वह यह भी कहते हैं कि कुछ महिलाएं 376 का मुकदमा लगवाने के इरादे से आती हैं. बेटे को भी ऐसी महिलाओं से बचकर रहने की सलाह देते हैं. मध्य प्रदेश के शिवपुरी से एक वीडियो सामने आया है. वीडियो में पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी मंच पर खड़े हैं और महिलाओं को लेकर ऐसी बात कहते सुनाई दे रहे हैं, जिस पर अब विवाद हो रहा है. विधायक ने अपने भाषण में रेप केस से जुड़ी धारा 376 का भी जिक्र किया है. वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. ये वीडियो शिवपुरी की खनियांधाना तहसील का है. यहां गुरुवार को पाल समाज की एक बैठक हुई थी. बैठक अहिल्याबाई की मूर्ति तोड़े जाने के मामले को लेकर बुलाई गई थी. इसी कार्यक्रम में प्रीतम लोधी भी पहुंचे थे. अब जरा उस वीडियो की कहानी समझिए. वायरल वीडियो में प्रीतम लोधी मंच से एक कथित घटना का जिक्र कर रहे हैं. वह कहते सुनाई दे रहे हैं कि कुछ महिलाओं को डाक बंगले पर भेज दिया जाता है, ताकि वे उनके सामने झगड़ा करें. विधायक के मुताबिक, अगर ऐसी महिलाओं से वह कुछ कह दें, तो उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जा सकता है. इसके बाद वह धारा 376 का जिक्र करते हैं. वीडियो में उन्हें कहते सुना जा सकता है कि कुछ महिलाएं इस फिराक में आती हैं कि उनके खिलाफ 376 का मुकदमा दर्ज हो जाए. विधायक यह भी कहते सुनाई देते हैं कि विरोधी महिलाओं को यह कहकर भी भेजते हैं कि इसे पटा लो. इस दौरान विधायक हंसते हुए भी नजर आते हैं. इसके बाद वह अपने बेटे का जिक्र करते हुए कहते हैं कि उन्होंने उसे भी ऐसी महिलाओं से बचकर रहने की सलाह दी है. बस, इसी बयान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर घूम रहा है. विधायक के बयान में 376 शब्द का इस्तेमाल हुआ है और इसी वजह से वीडियो की चर्चा और बढ़ गई है. खनियांधाना में पाल समाज की बैठक में ये बातें हुई थीं. समाज की बैठक में स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि मौजूद थे. इसी दौरान विधायक प्रीतम लोधी ने मंच से भाषण दिया. कार्यक्रम खत्म होने के बाद उनके भाषण का यही हिस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

फिलहाल सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल है और इसको लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस शुरू हो गई है. हालांकि वायरल वीडियो के सामने आने के बाद विधायक की ओर से इस बयान पर क्या सफाई दी गई है, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है.

सीएम मोहन यादव का मास्टरस्ट्रोक, मुरैना की बंद कैलारस शुगर मिल को फिर से शुरू करने की तैयारी, जानें कब तक जमा होंगे टेंडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और बंद पड़ी इकाइयों को दोबारा पटरी पर लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। इसी कड़ी में मुरैना जिले की वर्षों से बंद पड़ी कैलारस शुगर मिल को फिर से शुरू करने की बड़ी कवायद शुरू कर दी गई है। राज्य शासन के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) विभाग ने इस मिल के पुनरुद्धार के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की है, जिससे इस पूरे इलाके की आर्थिक तस्वीर बदलने की उम्मीद है। गत 19 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस मिल को लेकर अहम निर्णय लिया गया था। इस निर्णय के तहत कैलारस चीनी मिल की जमीन और संपत्तियों को एमएसएमई विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया था। सरकार का मुख्य उद्देश्य इस मिल को फिर से चालू करके स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना और औद्योगिक गतिविधियों को गति देना है। एमएसएमई विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कैलारस शुगर मिल को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर लीज पर दिया जाएगा। जो निवेशक या कंपनियां इस प्रक्रिया में रुचि रखते हैं, वे निर्धारित तिथियों पर साइट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और निवेशक आधिकारिक पोर्टल के जरिए अपने प्रस्ताव भेज सकते हैं। कैलारस शुगर मिल मुरैना जिले में एनएच-552 पर रेलवे स्टेशन के पास स्थित है। मिल के पुनरुद्धार के लिए 15 सितंबर तक ऑनलाइन प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इस मिल की लीज अवधि 30 वर्ष होगी, जिसे कार्य के आधार पर बढ़ाया जा सकेगा। मिल की संपत्तियों में फैक्ट्री बिल्डिंग, प्लांट-मशीनरी और 12.86 हेक्टेयर भूमि शामिल है। प्रस्तावों की समीक्षा और आगे की प्रक्रिया के लिए शासन स्तर पर बैठकें तय की गई हैं। मिल की क्षमता और लीज से जुड़ी खास बातें यह शुगर मिल गन्ने की पेराई और संबंधित उप-उत्पादों के निर्माण के लिए पूरी तरह सक्षम है। नीचे दी गई टेबल में इस परियोजना से जुड़ी मुख्य बातें समझी जा सकती हैं

मुख्य बिंदु

मिल का स्थान एनएच-552, कैलारस रेलवे स्टेशन के पास (मुरैना) दैनिक क्षमता 1,250 मीट्रिक टन गन्ना पेराई प्रतिदिन कुल भूमि 12.86 हेक्टेयर (फैक्ट्री और गोदाम सहित) लीज अवधि 30 वर्ष (काम संतोषजनक होने पर विस्तार योग्य) आवेदन की अंतिम तिथि 1 5 सितंबर (शाम 5 बजे तक)

रॉक लक्जरी स्पा सेंटर में पुलिस की रेड, मुंह छिपाकर भागीं लड़कियां, देह व्यापार का आरोप

अलीगढ़ के गांधी पार्क क्षेत्र में एक स्पा सेंटर पर पुलिस ने छापा मारा पुलिस की कार्रवाई में कई युवक और युवतियों को हिरासत में लिया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ जिले में पुलिस ने स्पा सेंटर में चल रहे अनैतिक काम का भंड़ाफोड किया है। पुलिस ने रॉक लक्जरी स्पा सेंटर में छापेमारी की। जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने स्पा सेंटर से कई युवक और युवतियां को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के बाद स्पा सेंटर को बंद करा दिया गया। पुलिस के जाने के बाद एक युवक द्वारा स्पा सेंटर का गेट खोल दिया गया। स्पा सेंटर का गेट खुलते ही लड़कियां चादर लपटे कर मुंह छिपाकर सड़क पर भागती दिखी। स्थानीय लोगो ने स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार होने का आरोप है। स्पा सेंटर से लड़कियां के भागने का वीडियो भी सोशल मीडिया में सामने आया है।

अनैतिक कार्य होने की शिकायत

मिली जानकारी के मुताबिक,थाना गांधी पार्क क्षेत्र के बस स्टैंड के पास स्थित एक रॉक लग्जरी स्पा सेंटर पर देर शाम पुलिस ने छापामार कार्यवाही की है। पुलिस को स्पा सेंटर पर अनैतिक कार्य होने की शिकायत लगातार स्थानीय लोगों द्वारा मिल रही थी। स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार शाम को स्पा सेंटर पर छापा मार दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वही पुलिस ने छापेमार कार्यवाही के दौरान कई युवक और युवतियां को हिरासत में लिया, जिसके बाद स्पा सेंटर को बंद करा दिया। वही पुलिस के जाने के बाद एक युवक ने स्पा सेंटर का गेट खोला तो करीब 4 लड़कियां चादर लपेटकर मुंह छिपाकर अपना सामना लेकर स्पा सेंटर से निकलकर सड़क पर भागती दिखाई दी। जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि सीओ द्वितीय के नेतृत्व में थाना गांधी पार्क पुलिस ने शुक्रवार देर शाम एक स्पा सेंटर से कई पुरुषों व महिलाओं को भी हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की जा रही है।वही संदिग्ध गतिविधियों और स्पा सेंटर के वैध दस्तावेजों की गहनता से जांच कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रीवा में कुदरत का कहरः तमस नदी उफान पर त्योंथर के 300 से ज्यादा गांव प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में 12 घंटे की लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियां और नाले उफान पर हैं, जिससे कई बस्तियां जलमग्न हो गईं। ऐसे में SDERF की टीम ने देवदूत बनकर नवजात शिशुओं और बुजुर्गों समेत एक हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में मौसम के बिगड़े मिजाज ने भारी तबाही मचाई है। जिले

में करीब 12 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक हालात गंभीर हो गए। लगातार बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव हो गया, जिससे कई बस्तियां पानी में डूब गईं। इस प्राकृतिक आपदा के बीच जब लोग अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब रीवा की एसडीईआरएफ टीम ने देवदूत बनकर मोर्चा संभाला और एक हजार से अधिक लोगों की जिंदगी बचाई। लगातार बारिश और कई बांधों के गेट खोले जाने के बाद तमस नदी पूरी तरह उफान पर आ गई है। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे तराई अंचल त्योंथर क्षेत्र में पानी ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र के करीब 309 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और लगभग 20 से अधिक गांवों का सड़क संपर्क टूट चुका है।

Google Map के चक्कर में घाट से उतरी बीटेक छात्रों की बस, 1000 फीट गहरी खाई के मुहाने पर अटकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में प्रसिद्ध जाम गेट के पास शुक्रवार शाम बड़ा हादसा होते-होते टल गया। महाराष्ट्र के कोपरगांव स्थित संजीवनी यूनिवर्सिटी के BTech छात्रों को लेकर जा रही बस घाट उतरते समय अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी सुरक्षा रैलिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद बस का एक हिस्सा करीब 1000 फीट गहरी खाई की ओर लटक गया। गनीमत रही कि

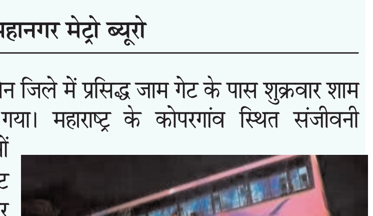

लोहे की रैलिंग और किनारे मौजूद चट्टानों ने बस को खाई में गिरने से रोक लिया। यदि बस खाई में गिर जाती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। मंडलेश्वर SDOP श्वेता शुक्ला ने बताया कि बस में कुल 53 लोग सवार थे। इनमें दूसरे वर्ष के BTech छात्र, दो ड्राइवर और चार शिक्षक/फैकल्टी सदस्य शामिल थे। सभी लोग इंदौर स्थित IIT का इंडस्ट्रियल विजिट करने के बाद महाराष्ट्र लौट रहे थे। छात्रों ने महेश्वर में नर्मदा दर्शन के लिए जाने का कार्यक्रम बनाया था। इसी दौरान ड्राइवर ने त्रश्नश्चद्दद्यद्ग Maps पर दिख रहे शॉर्टकट रास्ते को अपनाया और बस जाम गेट की ओर आ गई। शुक्रवार शाम जाम गेट से घाट उतरते समय एक तीखे मोड़ पर बस का संतुलन बिगड़ गया। इसी दौरान सामने से आ रहे एक पिकअप वाहन से बस की टक्कर हो गई। टक्कर के कारण बस की गति कम हुई। इसके बाद बस सड़क किनारे लगी लोहे की सुरक्षा रैलिंग और चट्टानों से जा टकराई। बस रैलिंग से टकराने के बाद वहीं अटक गई और उसका एक हिस्सा खाई की तरफ लटक गया। बस के नीचे करीब 1000 फीट गहरी खाई थी। हादसे के बाद बस में बैठे छात्रों और शिक्षकों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन उन्होंने घबराने के बजाय संयम बनाए रखा। SDOP शुक्ला ने कहा कि सुरक्षा रैलिंग ने इस हादसे में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि रैलिंग नहीं होती तो बस सीधे गहरी खाई में गिर सकती थी और हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा सकती थी।

बीवी और बेटी की हत्या कर घर के बाहर बैठा रहा राजा अंसारी, आर्थिक तंगी से डिप्रेशन में था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। खोड़ा के लोकप्रिय विहार में शुक्रवार देर रात हुए दोहरे हत्याकांड के आरोपी पति की मानसिक और आर्थिक स्थिति को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। अपनी ही पत्नी और बेटी की जान लेने वाला आरोपी लंबे समय से अवसाद से जूझ रहा था। आरोपी की पहचान मोहम्मद रजा अंसारी उर्फ राजा अंसारी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के अररिया जिले का रहने वाला है और वर्तमान में खोड़ा की गली नंबर 3 में चौथी मंजिल पर परिवार के साथ रहता था। वह गाजीपुर मुर्गा मंडी में मुंशी का काम करता है। शुक्रवार देर रात उसने पारिवारिक कलह के चलते अपनी पत्नी बेबी तबस्सुम (40 वर्ष) और दो बेटियों सना तबस्सुम और रूबी तबस्सुम (14 वर्ष) पर गंडासे व चाकू से हमला कर दिया। पत्नी के पेट व गले और बड़ी बेटी के गले पर किए गए घातक वार से दोनों की मौत हो गई, जबकि छोटी बेटी किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रही।

घायल रूबी का चल रहा इलाज

घटना के बाद तीनों को एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बेबी तबस्सुम और सना तबस्सुम को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल रूबी का इलाज जारी है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भागा नहीं, बल्कि घर के बाहर ही बैठा रहा, जिसे पुलिस ने वहीं से हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के हवाले से सामने आया है कि आरोपी पिछले कुछ समय से काम-धंधा मंदा होने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और इसी तनाव के चलते डिप्रेशन में था। पूछताछ में उसने तनाव में आकर यह कदम उठाने की बात कही है। इस संबंध में एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ की जा रही है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली के मंगोलपुरी की गलियों में चाकूबाजी, पुरानी रंजिश के चलते हमला... 6 लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंगोलपुरी। दिल्ली के मंगोलपुरी में चाकूबाजी की घटना सामने आई है. हमले में 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं. स्थानीय लोगों ने हमलावरों पर लूटपाट का आरोप भी लगाया है. दिल्ली के मंगोलपुरी में आपसी रंजिश के चलते चाकूबाजी की घटना सामने आई है, जिसमें कम से कम 6 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है. घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. पुलिस के मुताबिक, हमले की यह घटना मंगोलपुरी के एल ब्लॉक की तीन लेन से सामने आई है. घटना के बाद घायलों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो को बाद में सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है. पुलिस आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए CCTV फुटेज खंगाल रही है. पुलिस के बताया है कि, शुरुआती जांच से पता चलता है कि हमला पुरानी रंजिश की वजह से हो सकता है, और हमले में शामिल कुछ संदिग्ध नाबालिग हो सकते हैं. वहीं कुछ स्थानीय लोगों का आरोप है कि हमलावरों ने कुछ लोगों से लूटपाट भी की. इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई. यह घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है. इस बीच अगस्त महीने की शुरुआत में मुंबई से भी एक चाकूबाजी की घटना सामने आई थी. इसमें पिता-पुत्र की मौत हो गई थी. मुंबई के विक्रोली पश्चिम इलाके में तेज म्यूजिक बजाने को लेकर हुए विवाद के चलते चाकू से हमला किए जाने की जानकारी मिली थी. इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई. बताया गया कि चाकू से हुए हमले में 40 साल के सुनील विश्वकर्मा और उनके 14 साल के बेटे श्लोक की जान चली गई. जानकारी के अनुसार, घटना के बाद सुनील विश्वकर्मा और उनके बेटे श्लोक विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए और राजावाड़ी अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

सिर्फ गरीबों के लिए कोटा, रद्द हो SC/ST एक्ट' सीजेपी प्रदर्शन के बाद जंतर मंतर से उठी ये मांगें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में कॉकरोच जनता पार्टी की अगुआई में हुए प्रदर्शन के बाद शुरू हुआ विवाद ठीक से खत्म भी नहीं हुआ था कि राजधानी दिल्ली में एक और प्रदर्शन की शुरुआत हो गई है। जंतर-मंतर पर शुक्रवार को गैर-आरक्षित श्रेणी यानी सामान्य वर्गों के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और SC/ST (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि सरकारी सहायता, कोचिंग, स्कॉलरशिप और फीस में राहत जैसे लाभ जाति के बजाय विशुद्ध रूप से आर्थिक स्थिति के आधार पर दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (त्तष्ट) के इक्विटी नियमों का भी विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट का भी विरोध करते हुए इसे रद्द करने की मांग की। उनका तर्क था कि इसके फायदे हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुंचते और इसका इस्तेमाल व्यक्तियों के खिलाफ गलत तरीके से नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से इस मामले में जरूरी कदम उठाने की अपील की। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में 'क्रीमी-लेयर' का नियम लागू करने और अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों व अन्य पिछड़ा वर्गों से जुड़ी नीतियों में बदलाव की भी मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने PTI को बताया कि हम यह नहीं कह रहे हैं कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बिना मदद के छोड़ दिया जाए। हम कह रहे हैं कि मदद उन लोगों तक पहुंचनी चाहिए जिन्हें इसकी जरूरत है, जिसमें स्कॉलरशिप, फीस में मदद और कोचिंग जैसी सुविधाएं शामिल हों। इसके अलावा कुछ प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण के प्रावधानों को लागू होने के कई दशकों बाद भी जारी रखने पर सवाल उठाए उठाते हुए मौजूदा सामाजिक-आर्थिक हालात देखते हुए समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि हालात काफी बदल गए हैं। इस बात पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए कि क्या मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत है और बिना भेदभाव के आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या को कैसे हल किया जा सकता है। आपको बता दें कि यह विरोध प्रदर्शन 'आरक्षण सुधार आंदोलन' के बैनर तले NEET की तैयारी कर रहे छात्र हर्ष दुबे की अगुआई में आयोजित हुआ।

दिल्ली में तेजी से फैल रहा स्वाइन फ्लू , 24 घंटे में 114 केस; अब तक 1777 संक्रमित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। इस साल स्वाइन फ्लू के अब तक 1,700 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और मानसून के दौरान मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों में वृद्धि देखी जाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय भी इसे लेकर एक्टिव हो गया है और लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 114 नए मामले की पुष्टि हुई है। अब तक कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 1777 तक पहुंच चुकी है, जो पिछले साल आए 229 मामलों की तुलना में सात से आठ गुना ज्यादा है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वाइन फ्लू का स्ट्रेन हर कुछ सालों में बदलता रहता है, जिससे इम्यूनिटी कम हो जाती है। जिस तेजी से एसी का इस्तेमाल बढ़ा है, उससे संक्रमण को फैलने में भी मदद मिल रही है। पहले यह संक्रमण सर्दी में ज्यादा फैलता था। अब इसलिए, कोविड की तरह यह भी वायरल इन्फेक्शन है और इसमें भी हैंड हाइजीन और मास्क बचाव के बेहतर उपाय हैं। एम्स के इंटरनल मेडिसिन विभाग के डॉ. नीरज निश्चल ने बताया कि मॉनसून के दौरान मौसम में लगातार बदलाव, घरों और बंद जगहों पर लोगों की अधिक भीड़, एसी का ज्यादा इस्तेमाल और हवा का ठीक से बाहर न निकलना इन्फ्लुएन्जा के संक्रमण को बढ़ावा दे सकता है।

हर उम्र के लोग हो रहे संक्रमित

इस साल स्वाइन फ्लू का संक्रमण छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी को संक्रमित कर रहा है। आम लोगों के साथ सफदरजंग और एम्स के अलावा दूसरे हॉस्पिटल के डॉक्टर और स्टाफ भी संक्रमित हो रहे हैं। मैक्स हॉस्पिटल के डॉ. रोमेल टिक्कू ने ने कहा कि अभी फीवर के ज्यादा मरीजों में स्वाइन फ्लू ही मिल रहा है। जिन लोगों में तीन से चार दिनों तक फीवर रह जाता है, उन्हें जांच करानी चाहिए। अभी मामले में तेजी तो बहुत है, लेकिन रिकवरी बेहतर हो रही है स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल के रेस्पिरेटरी विभाग के एक्सपर्ट डॉक्टर संदीप नय्यर ने कहा कि लगातार ओपीडी में मरीज आ रहे हैं, वॉर्ड में हैं, आईसीयू में हैं, वेंटिलेटर पर कुछ मरीज है। जिनकी इम्यूनिटी कम है, उनमें बीमारी सीवियर हो रही है।

50% ड्राइवर नहीं बोल पाए मराठी, दिया गया नोटिस, 2 दिन में 17% चालक फेल

एमएमआर क्षेत्र में 3,482 चालकों का मूल्यांकन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा को लेकर शुरू की गई जांच के दौरान शुक्रवार को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बड़ी संख्या में ड्राइवरों की परीक्षा ली गई। इस दौरान कई ड्राइवर व्यवहारिक मराठी बोलने में सक्षम नहीं पाए गए, जिन्हें आरटीओ की ओर से नोटिस जारी किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को एमएमआर में कुल 3,942 ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों की जांच की गई। इनमें 722 , यानी 50 प्रतिशत ड्राइवरों को व्यवहारिक मराठी आती थी, जबकि 722, यानी 50 प्रतिशत ड्राइवर मराठी बोलने में सक्षम नहीं पाए गए। जिन ड्राइवरों को व्यवहारिक मराठी का ज्ञान नहीं था, उन्हें नोटिस जारी किया गया है। यह जांच और परीक्षा आरटीओ की ओर से की जा रही है। वहीं गुरुवार को एमएमआर में 3,995 ड्राइवरों की जांच की गई थी। इनमें से 604 ड्राइवरों को मराठी नहीं आने पर नोटिस दिया गया, जबकि 3,391 ड्राइवरों को मराठी का ज्ञान था। यानी गुरुवार को ज्यादातर ड्राइवर मराठी बोलने में सक्षम पाए गए थे। अगर एमएमआर में 2 दिनों के आकड़े देखे तो कुल 7937 जांच की गई थी, जिनमे से 1326 ड्राइवर, यानी 16.71प्रतिशत को मराठी नहीं आने पर नोटिस दी गई और 6611, यानी 83.29' पास हुए। वहीं अगर पूरे महाराष्ट्र की बात करें तो शुक्रवार को कुल 5,211 ड्राइवरों से मराठी भाषा के ज्ञान को लेकर जांच की गई। इनमें 777 ड्राइवर व्यवहारिक मराठी नहीं बोल पाए, जबकि बाकी ड्राइवरों को मराठी का ज्ञान था। वहीं गुरुवार को राज्यभर में 6,422 वाहनों की जांच की गई थी। इस दौरान 664 ड्राइवर मराठी बोलने में सक्षम नहीं पाए गए। यानी 2 दिनों में कुल 11, 633 ड्राइवरों की जांच की गई। इनमे से 10,192 ,मराठी बोलने में सक्षम पाए गए , जो की करीब 87' है और नहीं आने वाले की संख्या 1441 है, यानी करीब 12' को मराठी नहीं आ रही थी।बता दें कि आरटीओ की ओर से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की लगातार जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्राइवर यात्रियों से रोजमर्रा के व्यवहार में मराठी भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं या नहीं। व्यवहारिक मराठी नहीं बोल पाने वाले ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर नियमों का पालन करने के लिए कहा जा रहा है।

बेटा पहाड़ पर खड़ा था मां फफक रही थी बाप बेबस था एक परिवार के आखिरी तीन घंटे की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभाजीनगर। छत्रपति संभाजीनगर के पहाड़ पर सुबह करीब 10 बजे एक परिवार अपने 18 साल के बेटे को बचाने पहुंचा था. तीन घंटे तक उसे समझाने की कोशिश होती रही. मां रोती रही, गांव के लोग और सरपंच उसे मनाते रहे, पुलिस और फायर ब्रिगेड भी पहुंची. लेकिन दोपहर करीब 1 बजे एक ऐसी घटना हुई, जिसने पूरे परिवार को खत्म कर दिया. ये दर्दनाक कहानी महाराष्ट्र की है. सुबह के करीब 10 बज रहे थे. छत्रपति संभाजीनगर के तिसगांव इलाके में खवड्या पहाड़ के पास एक युवक पहुंचा था. उम्र करीब 18 साल. सामने गहरी खाई थी और नीचे खड़े थे उसके अपने लोग. मां उसे समझा रही थी. गांव के लोग उसे आवाज दे रहे थे. कुछ देर बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई. लेकिन लड़का नीचे आने को तैयार नहीं था. इसके बाद जो हुआ, उसने एक पूरे परिवार को खत्म कर दिया. पुलिस के मुताबिक, कुणाल चांदवडे किसी बात को लेकर परेशान था. वह खवड्या पहाड़ पर पहुंचा था. शुरुआती जानकारी में मोबाइल फोन को लेकर परिवार के साथ हुए विवाद की बात सामने आई है. जब घरवालों को पता चला कि कुणाल पहाड़ पर पहुंच गया है, तो उसके माता-पिता भी वहां पहुंच गए. मां संगीता सामने खड़ी थीं. बेटा ऊपर था. मां उसे नीचे आने के लिए कह रही थी. लेकिन कुणाल अपनी जगह से नहीं हटा. खवड्या पहाड़ कोई सामान्य जगह नहीं है. यहां नुकीले और कटे हुए पत्थरों के बीच गहरी खाई है. ऐसे में वहां खड़े व्यक्ति को सुरक्षित नीचे लाना अपने आप में बेहद मुश्किल था. यहां वो तीन घंटे की कोशिश शुरू हुई, जिसके आखिर में किसी के पास कुछ नहीं बचना था. कुणाल को मनाने के लिए आसपास के लोग भी जुटने लगे. नजदीकी गांव के सरपंच वहां पहुंचे. उन्होंने भी उससे बात की. उसे समझाने की कोशिश की. मां का रो-रोकर बुरा हाल था. एक मां अपने बच्चे को सामने देखकर उससे सिर्फ नीचे आने की गुहार लगा रही थी. मां की आंखों के सामने उसका बेटा खड़ा था. वह उसे बार-बार नीचे आने के लिए कह रही थी. समझाने की कोशिश कर रही थी. शायद मां को उम्मीद थी कि बेटा उसकी आवाज सुनेगा, उसकी तरफ देखेगा और वापस लौट आएगा. सरपंच ने कुणाल को समझाते हुए मोबाइल फोन दिलाने की बात तक कही, लेकिन वह नीचे आने के लिए तैयार नहीं हुआ. एक तरफ परिवार उसे जिंदगी की तरफ वापस खींच रहा था. दूसरी तरफ कुणाल पहाड़ पर खड़ा था. जब मामला संभलता नहीं दिखा तो पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई. अब वहां सिर्फ परिवार नहीं था. गांव के लोग थे. पुलिस थी. फायर ब्रिगेड थी. सबकी कोशिश एक ही थी- कुणाल को सुरक्षित नीचे लाना. लेकिन वक्त निकलता जा रहा था. सुबह के 10 बज चुके थे. फिर 11 बजे. दोपहर करीब आने लगी. मां की कोशिशें जारी थीं. बेटे को समझाने की हर मुमकिन कोशिश की जा रही थी. लेकिन हालात जस के तस थे. सोचिए, एक मां के लिए वो तीन घंटे कैसे रहे होंगे.

1 सितंबर से एक रुपये महंगा होगा ऑटो का किराया, टैक्सी का भाड़ा भी 2 रुपये बढ़ेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ऑटो और टैक्सी से यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब अगले हफ्ते से भारी हो सकती है। क्योंकि एमएमआरटीए ने ऑटो और टैक्सी के किराए में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार की आखिरी अधिसूचना जारी होने के बाद नई दरें लागू की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, टैक्सी का किराया अब तक 31 था, जो 2 रुपये से बढ़कर 33 हो जाएगा। वहीं ऑटो का करता 26 था, जिसे 1 रुपये बढ़ाकर 27 किया जाएगा। तह किराया - बेस फेयर, पहले 1.5 किलोमीटर की यात्रा के लिए लागू होगा। पिछली बार 1 फरवरी 2025 को किराया बढ़ाया गया था, यानी करीब 18 महीने बाद एक बार फिर राइड महंगी होने जा रही है। खटुआ समिति के फार्मूले के अनुसार टैक्सी का प्रति किलोमीटर किराया मौजूदा 20.66 रुपये से बढ़कर 21.90 रुपये हो जाएगा। वहीं, ऑटो का प्रति किलोमीटर किराया 17.14 रुपये से बढ़कर 18.22 रुपये तय किया गया है। सरकार का कहना है कि फरवरी 2025 में पिछले किराया संशोधन के बाद से सीएनजी की कीमत करीब 8 रुपये यानी 10.25 प्रतिशत बढ़ी है। इसके अलावा वाहनों की लागत, गाड़ियों के लोन पर ब्याज और सरकारी रेवेन्यू में बदलाव को भी किराया तय करते समय ध्यान में रखा गया है। हम किराया बढ़ोतरी का स्वागत करते है।

दिल्ली में रिटायर्ड कर्नल को फर्जी पुलिस बनकर किया कॉल, अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए 15.50 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

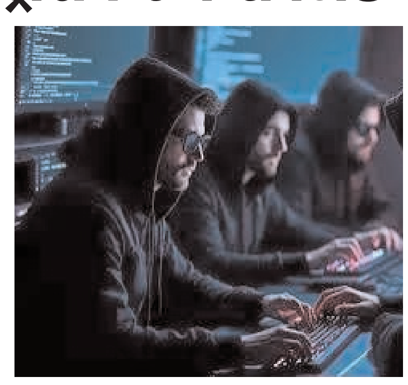

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुनरिका में ठगों ने रिटायर्ड कर्नल को डिजिटल अरेस्ट कर 15.50 लाख रुपये ठग लिए। साउथ-वेस्ट जिले की साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच करते हुए पंजाब और राजस्थान से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सरबजीत, सूरज, संदीप और नरेश के रूप में हुई है। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार घटना मुनिरका एन्क्लेव निवासी रिटायर्ड आर्मी कर्नल के साथ हुई। 15 अप्रैल को उन्हें एक कॉल आया, जिसमें कहा गया कि महाराष्ट्र पुलिस के आदेश पर उनका फोन बंद होने वाला है। इसके बाद कॉल दूसरे नंबर पर ट्रांसफर कर दी गई। वहां एक शख्स ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए दावा किया कि उनके नाम और दस्तावेजों का इस्तेमाल मुंबई में अवैध बैंक अकाउंट खोलने और खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग, निवेश, धोखाधड़ी और आतंकी फंडिंग में होने की बात कही गई। ठगों ने फर्जी ईडी गिरफ्तारी वारंट, कोर्ट दस्तावेज समेत कई कागज भेजे। इसके बाद कर्नल और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट करने की बात कहकर दबाव बनाया गया। आरबीआई के कथित निर्देशों का हवाला देकर 15.50 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। 19 अप्रैल को साइबर थाने में ई-एफआईआर दर्ज हुई। नोएडा के सेक्टर-137 की चमचमाती पारस टियरा सोसायटी। बाहर गाड़ियों का शोर और चहल-पहल, लेकिन 22वीं मंजिल के एक बंद कमरे में पसरा था डरावना सन्नाटा। कमरे के कोने में रखे फोन से आ रही एक अनजान आवाज और मोबाइल स्क्रीन पर खुली विडियो कॉल ने 77 वर्षीय बुजुर्ग दंपती की सांसे अटका रखी थी। 'आप डिजिटल अरेस्ट है... हिलिएगा मत, किसी को बताया तो जेल चले जाएंगे!' साइबर जालसाजों की इस एक धमकी ने एक निजी कंपनी से रिटायर्ड मैनेजर और उनकी पत्नी को नौ दिनों तक अपने ही घर में बेड़ियों के बिना कैदी बना दिया और इस डर के साए में उनसे जिंदगी भर की कमाई के पूरे 58 लाख 30 हजार रुपये ठग लिए गए। बेटों के दूसरे शहरों में रहने के कारण वह पत्नी के साथ यहां अकेले रहते हैं। अब पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम से पुणे हॉस्टल कैंपस में ABVP के साथ झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले एबीवीपी से टकराव पर राजनीति गरमा गई है। पुणे हॉस्टल कैंपस में एबीवीप के साथ झड़प के लिए यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज किया गया है। पुणे पुलिस ने शनिवार को शहर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले एक यूनिवर्सिटी हॉस्टल कैंपस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद 50 से 60 यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एबीवीपी के गुंडों को यह अधिकार किसने दिया कि वे युवतियों को धमकाएं और उनकी आजादी में दखल दें, सिर्फ़ इसलिए क्योंकि उन्होंने 'जन-नायक' राहुल गांधी का स्टेटस अपडेट लगाया था? महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने एक्स पर लिखा है कि COEP हॉस्टल में एबीवीपी के गुंडों द्वारा छात्रों के साथ मारपीट करने और छात्राओं को उनके कमरों में बंद करने की घटना बेहद गंभीर और शर्मनाक है।

स्कूल जाते भाई-बहन को 'बाय-बाय' करते वक्त दूसरी मंजिल से गिरा मासूम, मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। गणेशपेठ थाना क्षेत्र में तीन वर्षीय लक्की रिंकू शाहू बालकनी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई. नागपुर के गणेशपेठ थाना क्षेत्र स्थित लोधीपुरा में साईं मंदिर के पास शुक्रवार सुबह दूसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर तीन वर्षीय मासूम लक्की रिंकू शाहू की दर्दनाक मौत हो गई. ये हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा स्कूल जा रहे अपने दो बड़े भाइयों और बहन को 'बाय-बाय' करने के लिए ग्रिल पर झुका था. इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह सीधे जमीन पर गिर पड़ा. परिजन और पड़ोसी उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों के इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. पुलिस ने बताया कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला शाहू परिवार करीब एक महीने पहले ही गणेशपेठ इलाके में किराए के कमरे में रहने आया था. उनके परिवार में एक बेटी और तीन बेटे हैं, जिनमें तीन साल का लक्की सबसे छोटा था. उसके पिता पानीपुरी का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं. शुक्रवार सुबह लक्की के दो भाई और बहन स्कूल जाने के लिए नीचे उतरे थे. उन्हें हाथ हिलाकर विदा करते समय ये दुखद दुर्घटना घट गई. ग्रिल से फिसलकर नीचे गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई. गंभीर रूप से घायल लक्की को परिजन और स्थानीय लोग फौरन अस्पताल ले गए. हालांकि, डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी. इस अनहोनी के बाद से पूरे शाहू परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं, गणेशपेठ पुलिस थाने के इंस्पेक्टर अतुल तवाडे ने बताया कि पुलिस ने इस दर्दनाक घटना के संबंध में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कानूनी जांच और आवश्यक कार्रवाई कर रही है.

दिल्ली में आईटी इंजीनियर की संदिग्ध हालत में मौत, ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के निहाल विहार थाना इलाके में एक आईटी इंजीनियर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान विनय कुमार गुप्ता (31) के रूप में हुई है। वह नोएडा की एक कंपनी में काम करते थे। करीब चार साल पहले उनकी शादी हुई थी और उनके जुड़वां बच्चे है। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है। उनका कहना है कि विनय का उसकी पत्नी के साथ कुछ समय से विवाद चल रहा है। इसी विवाद को सुलझाने और बातचीत के लिए शुक्रवार को ससुराल पक्ष के कुछ लोग विनय के घर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान ही उन्होंने विनय पर हमला कर दिया।जानकारी के मुताबिक, विनय की मां घर आए ससुराल वालों के लिए नाश्ता लेने के लिए अंदर गई थीं। इसी दौरान कमरे में ससुराल पक्ष के लोगों ने विनय के साथ मारपीट शुरू कर दी। मां ने बेटे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन मामला शांत नहीं हुआ।

निहाल विहार का मामला, पर हत्या का आरोप ससुराल वालों

रूप से घायल विनय को अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। निहाल विहार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। फरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। डीसीपी आउटर विक्रम मीणा ने बताया शुक्रवार को पति-पत्नी में विवाद के बाद पत्नी ने कॉल कर मायके वालों को बुला लिया था। आरोप है कि पत्नी के मायके वालों ने विनय गुप्ता के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगी और मौत हो गई। इस मामले में निहाल विहार थाने में अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान की जा रही है।

नशामुक्त युवा, विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत–संकल्प अभियान' के तहत कल, 23 अगस्त को राजनांदगांव में पत्रकार वार्तालाप एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में नशामुक्ति, युवा शक्ति और विकसित भारत के निर्माण में मीडिया की भूमिका सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर संवाद होगा। कार्यक्रम में श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत; श्री अनिल कुमार, अधीक्षक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रायपुर; बहन प्रियंका कौशल, वरिष्ठ पत्रकार, रायपुर तथा प्राध्यापक श्री शंकर मुनि राय, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिग्विजय कॉलेज, राजनांदगांव वक्ता के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान 'पत्रकारिता का अतीत और वर्तमान' विषय पर भी विशेष संवाद होगा।पत्रकार वार्तालाप एवं प्रदर्शनी का आयोजन 23 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे एबिस ग्रीन्स, रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे, रायपुर नाका, राजनांदगांव में किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के साथ उन्हें स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना है। विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

भारत के लिए पाकिस्तान से ज्यादा चीन है चुनौती

पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने भारत की सुरक्षा चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कहा है कि जहां एक ओर भारत का ध्यान अब तक सीमा पार आतंकवाद के लगातार खतरे के कारण काफी हद तक पाकिस्तान पर केंद्रित रहा है, वहीं दीर्घकाल में चीन कई मोर्चों पर भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बनने जा रहा है। अपनी नई पुस्तक द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड- अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज के विमोचन के अवसर पर नरवणे ने स्पष्ट किया कि भारत को बीजिंग के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने के साथ-साथ एक मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने चीन के संदर्भ में शत्रु शब्द का उपयोग करने से जानबूझकर परहेज करते हुए प्रतिस्पर्धी शब्द का चुनाव किया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की जटिल प्रकृति को दर्शाता है।
जनरल नरवणे ने स्वीकार किया कि भारत ने पाकिस्तान और चीन, दोनों के साथ ऐतिहासिक युद्ध लड़े हैं और दोनों देशों के साथ सीमाओं पर विवाद आज भी अनसुलझे हैं। इस कारण वे हमेशा भारत के लिए खतरे और चुनौती के रूप में रडार पर बने रहेंगे। हालांकि, उन्होंने इन दोनों पड़ोसी देशों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के प्रकार में भिन्नता पर जोर दिया। पाकिस्तान से तात्कालिक खतरा मुख्य रूप से उसके द्वारा समर्थित आतंकवाद और लगातार सीमा पार गतिविधियों के कारण है। भारत के पश्चिमी मोर्चे पर सुरक्षा बलों को लगातार हाई अलर्ट पर रहना पड़ता है, और पाकिस्तान की ये हरकतें देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक सतत चुनौती बनी हुई हैं।
इसके विपरीत, नरवणे ने चीन को आने वाले वर्षों में भारत का मुख्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धी बताया। उनका मानना है कि यह प्रतिस्पर्धा केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और कूटनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखी जाएगी। चीन की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाएं और भारत के साथ उसके क्षेत्रीय विवाद, जैसे कि पूर्वी लद्दाख में जून 2020 की गलवान घाटी झड़प, इस बात का प्रमाण हैं कि बीजिंग के साथ एक लंबी और जटिल प्रतिस्पर्धा अपरिहार्य है। हालांकि अब हालात सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं ने भारत को अपनी सीमाओं पर अत्यधिक सतर्क रहने पर मजबूर किया है। नरवणे, जो 31 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे, ने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत को चीन के साथ अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए बल प्रयोग के बजाय बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, बल प्रयोग का सहारा लेना हमेशा आखिरी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को किसी भी संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए अपनी सैन्य तैयारी को अविश्वसनीय रूप से मजबूत और विश्वसनीय बनाए रखना होगा। यह एक दोहरी रणनीति है- कूटनीति के माध्यम से शांति की तलाश करना, लेकिन साथ ही किसी भी आक्रामकता का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना। इस रणनीति के तहत, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कई कदम भी उठाए हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में भारत के दृढ़ रुख को दर्शाते हैं। अंततः, नरवणे का बयान भारत की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है, जहां चीन के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना और पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों को नियंत्रित करना दोनों ही सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

तेजस्वी की जनता में साख नहीं, राहुल गांधी की नकल कर रहे : राम कृपाल यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव के छात्रों के विरोध–प्रदर्शन में शामिल होने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जनता के बीच कोई साख नहीं है और वे राहुल गांधी की नकल कर रहे हैं। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल ने तंज कसते हुए कहा कि लंबे समय बाद तेजस्वी को छात्रों की चिंता हुई है, वे विदेश यात्रा से लौटकर अचानक मुद्दों पर सक्रिय हुए हैं। यहां तक कि उनकी अपनी पार्टी के भीतर भी असंतोष पनप रहा है और लोग उनके इरादों पर सवाल उठा रहे हैं। राम कृपाल ने राजद पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने 15 साल के शासन में खजाने की लूट की थी, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मौजूदा सरकार बेहतर वित्तीय प्रबंधन और प्रशासन से बिहार का विकास कर रही है। उन्होंने राजद के वित्तीय संकट वाले बयान को पाखंड करार दिया। मंत्री राम कृपाल ने समाजवादी पार्टी की घेराबंदी कर कहा कि उसका कोई स्टैंड नहीं है, वह कंफ्यूज्ड है और गिरगिट की तरह रंग बदलती है। सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन कर राम कृपाल ने कहा कि योगी ने अगड़े, पिछड़े, दलित और वंचितों के लिए जाति–पाति से ऊपर उठकर काम किया है, जिससे उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है।

तकनीकी खराबी के चलते त्रिची लौटी इंडिगो की सिंगापुर फ्लाइट, 127 यात्री थे सवार

तिरुचिरापल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी सामने आने के बाद उसे वापस त्रिची एयरपोर्ट लाया गया। विमान में 127 यात्री सवार थे। करीब ढाई घंटे तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद विमान ने रात करीब 9 बजे त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट ने त्रिची एयरपोर्ट से शाम करीब 6-40 बजे सिंगापुर के लिए उड़ान भरी थी। कुछ समय बाद विमान में तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलटों ने विमान को वापस एयरपोर्ट लाने का फैसला किया। सुरक्षित वापसी के लिए विमान ने हवा में चक्कर लगाकर ईंधन कम किया। विमान के हवा में रहने के दौरान त्रिची एयरपोर्ट के अधिकारियों का पायलटों से लगातार संपर्क बना रहा। एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की गई थीं। इसके बाद विमान को वापस त्रिची लाया गया और बिना किसी अप्रिय घटना के उसकी लैंडिंग कराई गई। त्रिची एयरपोर्ट के डायरेक्टर गोपालकृष्णन ने मीडिया को बताया कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट करीब ढाई घंटे तक हवा में चक्कर लगाती रही और रात करीब 9 बजे सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतरी। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 127 यात्रियों को उनके गंतव्य सिंगापुर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजे जाने की बात कही गई है।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में 3 इंजीनियरों की मौत

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले के बरकाकाना स्थित मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि पावर प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में तीन इंजीनियरों की झुलसने से मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद रामगढ़ से चार–पांच दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद देर रात तक फैक्ट्री परिसर में अफरा–तफरी का माहौल रहा। हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान रांची निवासी 50 वर्षीय संजीव कुमार केसरी, बोकारो के जगेश्वर बिहार निवासी 25 वर्षीय विनीत महतो और गढ़वा निवासी 24 वर्षीय अभिषेक पांडेय के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण फैक्ट्री के बाहर पहुंच गए। ग्रामीणों ने मृत कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। ग्रामीणों के फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी की सूचना से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पावर प्लांट यूनिट के इंचार्ज अनुराग त्रिपाठी ने मीडिया के समक्ष हादसे के लिए प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया। उनका आरोप है कि प्लांट में तापमान बढ़ने और ओवरहीटिंग के कारण हादसा हुआ। तापमान नियंत्रित करने के लिए उन्होंने प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने दावा किया कि समय रहते तापमान नियंत्रण की उचित व्यवस्था की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह आधिकारिक जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

जंतर मंतर पर जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकारी सहायता, छात्रवृत्ति और फीस में छूट जैसे लाभ जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आर्थिक स्थिति के आधार पर मिलाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एससी/एसटी एक्ट को रद्द करने की अपील की। उनका तर्क था कि इस एक्ट का लाभ हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुँचता और इसका दुरुपयोग व्यक्तियों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी-लेयर का नियम लागू करने और दशकों पुराने आरक्षण प्रावधानों की मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखकर समीक्षा करने की भी मांग की। उनका कहना था कि हालात काफी बदल गए हैं और अब आर्थिक पिछड़ेपन को बिना किसी भेदभाव के हल करने पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। यह विरोध प्रदर्शन आरक्षण सुधार आंदोलन के बैनर तले नीट के छात्र हर्ष दुबे के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान की जनरल सेना, चाणक्य सेना और करणी सेना जैसे संगठन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी, जिनमें मुख्य रूप से युवा पुरुष थे, अपने हाथों में भगवा झंडे और गरीबों के लिए आरक्षण, जाति के लिए नहीं जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लिए हुए थे। हालांकि, यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की और शाम को कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आयोजकों को रामलीला मैदान में 500 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मिली थी, जंतर मंतर पर नहीं।

नितिन नवीन की नई भाजपा टीम के साथ हुई पहली बैठक

आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर किया गया मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठन को बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।
बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरों के गायन से हुई। नितिन नवीन शनिवार को ही भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि इसमें चुनावी राज्यों में संगठन की स्थिति, सरकार और संगठन के बीच समन्वय तथा आगामी राजनीतिक अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा होगी।

209 दिन बाद हुआ बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद 17 अगस्त को 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी। टीम में 51 नए चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और आठ राष्ट्रीय महासचिव हैं। अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह नवीन का पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल माना जा रहा है। नई टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

गोयल और संतोष बरकरार

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। युवा मोर्चा की कमान हेमांग जोशी को सौंपी गई है। वहीं अमित मालवीय की जगह दीपक म्हास्के को भाजपा आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई है। तेजस्वी सूर्या की जगह हेमांग जोशी की नियुक्ति को भी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। यह फेरबदल 2015 के बाद भाजपा में सबसे बड़े संगठनात्मक बदलावों में से एक है।

सपा प्रमुख का चवन्नी से रुपया वाला बयान अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा–माफी मांगे अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'चवन्नी-रुपया' का विवाद गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर राष्ट्रीय लोक दल और बीजेपी की ओर से प्रतिक्रिया सामने आईं हैं। अब आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी को बहुजन समाजवादी पार्टी की चीफ मायावती का साथ मिल गया है। उन्होंने सपा मुखिया को माफी मांगने को कहा है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाता दिख रहा है।
मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर समाजवादी पार्टी पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख द्वारा अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल व उस पार्टी के नेता, केंद्रीय मंत्री के बारे में चवन्नी से रुपया बनाने वाला बयान देना पूरी तरह से अमर्यादित, अशोभनीय और अति-शर्मनाक है। इस प्रकार की अहंकारी व अलोकतांत्रिक बयानबाज़ी के लिए उन्हें उस पार्टी से व उनके नेता से ही नहीं बल्कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के परिवार और जाट समाज का अपमान करने के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए।
उन्होंने कहा कि वैसे देश की राजनीति में सपा का चाल, चरित्र व चेहरा अपने विरोधी पार्टियों के लिए ही नहीं बल्कि अपने सहयोगियों के लिए भी हमेशा से राजनीतिक संकीर्णता व जातिवादी द्वेष आदि से ग्रसित और अविश्वसनीय रहा है, जिस कारण इसका राजनीतिक एवं चुनावी लाभ भी अक्सर मौकों पर बीजेपी उठाती रही है और सेक्युलर ताकतें कमजोर होती रही हैं। मायावती ने कहा कि सपा के अहंकारी रवैये की वजह से पहले भी गठबंधन टूट चुके हैं। उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन टूटने का जिक्र करते हुए 2 जून 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड को याद कर कहा कि बाद में अखिलेश यादव ने पुरानी गलतियां न दोहराने का भरोसा देकर बसपा के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया, लेकिन चुनाव नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं आने के बाद सपा का रवैया फिर बदल गया और गठबंधन टूट गया।
उन्होंने कहा कि बसपा अपने सिद्धांतों और डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान की विचारधारा से समझौता नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और अपना काम निकलते ही फिर यह पार्टी गिरगिट की तरह अपना रंग बदल लेती है और दूसरी पार्टी के बारे में अनाप-शनाप भाषा का इस्तेमाल करती है, जो कि यह सपा का पुराना रवैया है। ऐसे में सर्वसमाज के लोग सपा की संकीर्ण व जातिवादी राजनीति से जरूर सावधान रहें।
उन्होंने यह भी कहा कि इतना ही नहीं सपा की सभी रही सरकारों में दलितों, पिछड़ों, अक़लियतों, अपरकास्ट समाज में से विशेषकर ब्राह्मण समाज का भी काफी शोषण व उत्पीड़न किया गया है और ना ही इनके हितों में कोई भी सकारात्मक कदम उठाए गए हैं, बल्कि इनकी सरकार में वास्तव में केवल गुंडों, बदमाशों, माफियाओं व अन्य अराजक तत्वों का ही भला हुआ है।

ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है : खड़गे

-केंद्र सरकार ने एथेनॉल बनाने में गन्ने का इस्तेमाल होने से किया है इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी (शक्कर) की बढ़ती कीमतों और कम होते स्टॉक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि त्योहारों से पहले मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। खड़गे ने सरकार से सवाल किया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में चीनी का स्टॉक 9 साल के निचले स्तर पर क्यों पहुंच गया। उन्होंने 10 लाख टन चीनी ड्यूटी-फ्री आयात करने की नौबत पर भी सवाल उठाया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। भारत सरकार में खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया था कि देश में चीनी की खुदरा कीमत 20 जुलाई के 48 से बढ़कर करीब 56 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि एक्स-मिल कीमत 7-10 दिनों में 47-48 से बढ़कर 62 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल बनाने में गन्ने के इस्तेमाल को जिम्मेदार मानने से इनकार कर दिया है। खाद्य सचिव ने कहा कि देश में पर्याप्त चीनी स्टॉक है। कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के पीछे मिलों की ओर से दाम बढ़ाना, जमाखोरी और सट्टेबाजी प्रमुख वजह हैं।
खाद्य सचिव के मुताबिक अब देश में बनने वाले एथेनॉल का करीब एक-चौथाई हिस्सा ही चीनी से आता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से बनता है। एथेनॉल के लिए डायवर्ट की जाने वाली चीनी की हिस्सेदारी 2022-23 में 12फीसदी थी। यह 2025-26 में घटकर करीब 9फीसदी रह गई है। मौजूदा सीजन में एथेनॉल के लिए सिर्फ 28 लाख टन चीनी डायवर्ट की गई है। इस सीजन में देश में चीनी का उत्पादन 306 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जबकि शुरुआती अनुमान 343 एलएमटी था। रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ ज्यादा बारिश से खेतों में पानी भरने के कारण उत्पादन घटा है। मंत्रालय का कहना है कि अक्टूबर में नया पेराई सीजन शुरू होने तक घरेलू जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

राजस्थान में 611 स्कूलों के पास अपने भवन ही नहीं, हजारों स्कूलों न टॉयलेट, न पानी

-सीजेपी की टीम गई थी स्कूलों का निरीक्षण करने तो उन पर हुआ था हमला

जयपुर, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी के स्कूल निरीक्षण वाले कदम के बाद राजस्थान सरकार की ओर से जमीनी हकीकत पेश की गई है। प्रदेश सरकार की मानें तो प्रदेश की 611 स्कूलों के पास अपना भवन ही नहीं है। इस मामले में जयपुर की हालत सबसे ज्यादा खस्ता है तो दूर-दराज के जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से प्रदेश के स्कूलों के बारे में जानकारी दी गई।
राजस्थान सरकार ने विधानसभा में स्वीकार किया है कि प्रदेश में 611 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपना भवन ही नहीं है। इनमें 10 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इसके अलावा राज्य के 64,484 ऐसे सरकारी स्कूल उनमें से 2,047 में शौचालय और 1,049 में पेयजल सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।
सरकार के मुताबिक आंकड़े समग्र शिक्षा अभियान के तहत 2025-26 के यूडीआईएसई डाटा पर आधारित हैं। जयपुर जिले में ही 38 सरकारी स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं। यह मुद्दा ऐसे समय सामने आया है जब सीजेपी की ओर से सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका के नेतृत्व में एक टीम जयपुर के पास बगरू स्थित एक सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। इसी दौरान टीम पर हमला किया गया। टीम स्कूल को लेकर मिली उस शिकायत की जांच करने जा रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि विद्यालय को गौशाला में संचालित किया जा रहा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में बिना भवन के चल रहे स्कूलों की संख्या के मामले में झालावाड़ सबसे ऊपर है। अकलेरा ब्लॉक में 23, खानपुर में 16 और झालरापाटन में 11 ऐसे स्कूल हैं। इसके अलावा फलोदी के बाप में 11 और बांसवाड़ा के छोटी सरवन में 10 स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं। भवन के बिना चल रहे गर्ल्स स्कूल में जयपुर और अलवर में दो-दो, जबकि बाड़मेर, चूरू, डूंगरपुर, करौली, कोटा और राजसमंद में एक-एक स्कूल शामिल हैं। टॉयलेट की कमी वाले स्कूलों में बांसवाड़ा 188 के साथ सबसे आगे है। इसके बाद डूंगरपुर में 124 और उदयपुर में 98 स्कूल हैं। बीकानेर में 84, झालावाड़ में 81 और जैसलमेर में 79 सरकारी स्कूलों में शौचालय सुविधा नहीं है। पेयजल नहीं होने वालों में दौसा 96 स्कूलों के साथ सबसे ऊपर है। उदयपुर में 70, अलवर में 65, करौली में 60 और बांसवाड़ा में 58 स्कूलों में पेयजल सुविधा नहीं है।

सरकार ने अपने जवाब में कहा कि स्कूलों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए 550 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। भवनविहीन स्कूलों और जर्जर भवनों में संचालित स्कूलों के लिए नए भवन बनाने के लिए 450 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में भवन, शौचालय आदि उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके अलावा प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक जर्जर स्कूल भवनों के नए निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए हर साल 2,500 करोड़ रुपए और पांच सालों में 12,500 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने की बात कही गई है।
नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने पिछले साल हुए ऑडिट का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में 3,768 सरकारी स्कूल पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित घोषित किए गए हैं। उनके मुताबिक ऐसे स्कूलों को बंद या ट्रांसफर किए जाने से नामांकन प्रभावित हुआ है। जूली ने दावा किया कि 83,783 स्कूल कक्ष भी पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित हैं।

अमेरिका कनाडा के 20 अरब डॉलर के आयात पर लगाएगा 50 फीसदी शुल्क

करीबी सहयोगी देशों के संबंध और बिगड़ेंगे

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता असफल होने के बाद उससे आयात किए जाने वाले 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शनिवार से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इस कदम से ऐतिहासिक रूप से करीबी सहयोगी रहे दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास आने की आशंका है। एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने बताया कि कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनके आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। ग्रीर ने कनाडा पर नई मांगें रखने और कुछ पुरानी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का आरोप लगाया, जिससे पिछले कुछ दिनों में बनी सहमति का संतुलन बिगड़ गया। इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में अंतिम समय में किए गए बदलावों को अनुचित और आर्थिक रूप से अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ये बदलाव किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। प्रस्तावित आयात शुल्क कनाडा से हर साल अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान के लगभग पांच प्रतिशत (880 अरब में से 20 अरब डॉलर) पर पड़ेगा, जिसमें हॉकी स्टिक से लेकर टंग डिप्रेसर जैसे उत्पाद शामिल हैं। हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक प्रभाव से कहीं अधिक होने की संभावना है। ये शुल्क पहले बुधवार को लागू होने थे, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समयसीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद, दोनों देश तय समय के भीतर किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

तनाव के बावजूद भारत पर चीनी मोबाइल ब्रांडों की भारी निर्भरता

- रिपोर्ट के मुता बिक चीन के बाहर भारत इनका सबसे बड़ा बाजार, उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद चीनी मोबाइल ब्रांड भारतीय बाजार पर अपनी भारी निर्भरता बनाए हुए हैं। चीन के बाहर भारत उनके लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वीवो, ओप्पो और रियलमी जैसे प्रमुख ब्रांडों के वैश्विक निर्यात में भारत का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसने उन्हें यहां स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में वीवो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था। यह ब्रांड भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसने 2026 की दूसरी तिमाही में कुल बाजार का 18 फीसदी हिस्सा हासिल किया। अब वीवो, डिक्सन टेक्नॉलजीज के साथ संयुक्त उपक्रम के जरिये भारत में अपने स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। वीवो जैसी ही कहानी अन्य चीनी ब्रांडों की भी है। 2025 में ओप्पो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 23 फीसदी, रियलमी के लिए 35 फीसदी और वनप्लस के लिए 32 फीसदी तक पहुंच गया था। ये चारों ब्रांड (वीवो, ओप्पो, रियलमी और वनप्लस) चीन की दिग्गज कंपनी बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामित्व में हैं। मोटोरोला, जिसका नियंत्रण अब चीनी कंपनी लेनोवो के पास है, के लिए भी भारत उसके वैश्विक निर्यात में 20 फीसदी का योगदान देता है और कंपनी भारत में असेंबल किए गए फोन सीधे तौर पर अमेरिका को निर्यात कर रही है। लंदन मुख्यालय वाली स्मार्टफोन निर्माता नथिंग के वैश्विक निर्यात में तो भारत की हिस्सेदारी 71 फीसदी हो गई है। ओएमडीआईए के विश्लेषक संयम चौरसिया के अनुसार, श्याओमी को छोड़कर ज्यादातर चीनी ब्रांड वैश्विक स्तर पर उतने मजबूत नहीं हैं, और चीन के बाद भारत उनके लिए दूसरा सबसे अहम और बड़ा बाजार है, जो उनकी व्यावसायिक सफलता के लिए अपरिहार्य है।

मेटा के एआई कंटेंट मॉडरेशन पर सरकार की चिंता, मानव समीक्षा की वकालत

बिना मानव हस्तक्षेप के एआई द्वारा सामग्री हटाने पर आपत्ति, खालिस्तान मामले का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, खासकर उसमें मानव समीक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कंपनी से ऐसे सिस्टम बनाने को कहा है जो सिर्फ एआई इंजन के फैसलों के आधार पर उपयोगकर्ताओं की सामग्री न हटाएं।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार- कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई ।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर

76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया।

आईआईटी हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है। जिंदल स्टील के एक अ धिकारी ने बताया कि यह साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च क्षमता और लागत-प्रभावी इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर दिया कि आईआईटी हैदराबाद की तकनीकी क्षमता और जिंदल स्टील की विनिर्माण, धातुकर्म तथा इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को मिलाकर यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत, हल्के, तेज और अधिक दक्ष इस्पात समाधान विकसित करेगा।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

निदेशक नियुक्ति, केवायसी और जोखिम वर्गीकरण नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई वित्तीय संस्थाओं के लिए सख्त नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती है।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाई- सरकार

इथेनॉल उत्पादन को कीमत वृद्धि का कारण बताने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली

सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है।

चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से

घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अतः कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है।

सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष

लाभ अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की तैयारी है। यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश में खाद्यान्न वितरण को अधिक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने मांगा पारदर्शी शुल्क ढांचा

निजी भागीदारी के बाद उठाई समान अवसर की मांग

नई दिल्ली ।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने केंद्र सरकार से एक पारदर्शी और पूर्वानुमानित शुल्क ढांचे की मांग की है, ताकि विनिर्माताओं के मुनाफे और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों के बीच संतुलन बनाया जा सके। 'भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक (शांति) अधिनियम, 2025' के पारित होने के बाद इस क्षेत्र में निजी भागीदारी को हरी झंडी मिल चुकी है। अब उद्योग ने सरकार से यह भी अपील की है कि परमाणु ऊर्जा को बिजली के अन्य स्रोतों के साथ बराबरी पर लाने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। लार्सन ऐंड टुब्रो के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के लिए शुल्क बाजार दरों के अनुरूप होने चाहिए और बिजली की अधिकतम समतूल्य लागत 8 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) की स्वदेशी तकनीक में औसत शुल्क लगभग 4 रुपये प्रति यूनिट है, वहीं विदेशी तकनीक अधिक महंगी है। परब ने सुझाव दिया कि स्थानीय सामग्री को 100 फीसदी तक बढ़ाने और तकनीकी फीस को 6 से 10 रिएक्टरों में विभाजित करने से विदेशी तकनीक भी फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री से मिले 20 स्पेस स्टार्टअप के सीईओ, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बढ़ाने पर दिया जोर

वैश्विक प्रतिभा और निवेश आकर्षित करने की संभावना, कृषि-पर्यावरण में नए प्रयोगों पर जोर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 अग्रणी स्वदेशी अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने निजी क्षेत्र के नवाचार और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार के मजबूत समर्थन को रेखांकित करती है। मोदी ने इन उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की उपलब्धियां अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को सही ठहराती हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का तीव्र विकास वैश्विक प्रतिभाओं, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने की अपार संभावनाएँ पैदा कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आईएन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इन स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल थीं, जो रॉकेट, उपग्रह, एविओनिक्स, उन्नत प्रणोदन और अंतरिक्ष मलबे को हटाने जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी प्रगति, दृष्टिकोण और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने सरकारी समर्थन और उद्योग के भीतर बढ़ते सहयोग की विशेष रूप से सराहना की। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप से अपनी प्रौद्योगिकियों के नए अनुप्रयोगों, विशेषकर कृषि और पर्यावरण से जुड़े क्षेत्रों में, का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने युवा छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स के साथ जुड़ाव को और गहरा करने की भी बात कही।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एक महीने में 20 फीसदी का उछाल, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का डायवर्जन

नई दिल्ली।

त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के

लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के आने से चीनी की मांग में तेज़ी आएगी, जिससे सरकार के सामने कीमतों को नियंत्रण में रखने और महंगाई को बढ़ने से रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

मोबाइल विनिर्माण को 62,500 करोड़ का बूस्टर, केंद्र ने नई प्रोत्साहन योजना शुरू की

निर्माताओं को 2.5 से 5 फीसदी तक मिलेगा इंसेंटिव, घरेलू पुर्जों की खरीद पर अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश में मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारतीय ब्रांडों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी नई योजना की घोषणा की है। मोबाइल फोन निर्माण योजना (स्कीम) नामक इस पहल के तहत, सरकार अगले पांच वित्तीय वर्षों (2027 से 2031) के लिए 62,500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी, जिसका लक्ष्य घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना और निर्यात को गति देना है। यह योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना में मोबाइल फोन निर्माताओं को उनके पात्र उत्पादन पर 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक का इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही, भारत में प्रमुख पुर्जों और सब-असेंबली की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे न केवल देश में विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार होगा, बल्कि एक मजबूत स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी।

योजना को दो मुख्य लक्षित खंडों में बांटा गया है- पहला, मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूसरा, भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को मजबूत करना। इंसेंटिव प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सेवा कंपनियां भी शामिल हैं, का भारत में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026 में उनका कारोबार कम से कम 10,000 करोड़ रुपये होना जरूरी है। यह योजना पिछली सफल नीतिगत पहलों की निरंतरता है, जिनके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सात गुना और निर्यात में 11 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पहले सेगमेंट में पात्र बिक्री पर इंसेंटिव की दर धीरे-धीरे कम होगी, जो वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 2.75 प्रतिशत, 2029 और 2030 में 2.5 प्रतिशत, और 2031 में 2.25 प्रतिशत रहेगी। वहीं दूसरे सेगमेंट, जिसका लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को सशक्त करना है, में अधिक इंसेंटिव मिलेगा। यह पहले दो साल में 5 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2029 और 2030 में 4.5 प्रतिशत, और वित्त वर्ष 2031 में 4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त इंसेंटिव के लिए डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, एनक्लोजर, बैटरी और यूएसबी केबल व कनेक्टर जैसे मुख्य पुर्जे शामिल हैं।

ऑटो सेक्टर में उत्सव का माहौल, चुनौतियों से इनकार नहीं

त्योहारी सीजन से पहले रिकॉर्ड बुकिंग, ऑटो कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली

देश का यात्री वाहन उद्योग त्योहारी सीजन के लिए कमर कस चुका है। रिकॉर्ड बुकिंग और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माता उत्पादन बढ़ा रहे हैं, डीलरों के पास स्टॉक जमा कर रहे हैं और नए मॉडल उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का डर सता रहा है, जिसकी वजह पिछले साल के जीएसटी लागू होने के बाद की उच्च बिक्री तुलना है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और डीलरों के पास बढ़ता स्टॉक भी अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 74.3 प्रतिशत डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जो जुलाई से पहले के 51.24 प्रतिशत से काफी अधिक है। त्योहारी सीजन के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है, और यात्री वाहनों के 53.57 प्रतिशत डीलरों ने बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की है। आपूर्ति की रुकावटों को दूर कर और नए मॉडल लाने की तैयारी कर कंपनियां इस मांग को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस तेजी की पुष्टि करते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के अनुसार; जुलाई में यात्री वाहनों का उत्पादन सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत बढ़कर 5,05,520 इकाई हो गया, जबकि थोक आपूर्ति 34.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,57,810 वाहनों तक पहुंच गई। अप्रैल-जून तिमाही में भी उत्पादन और थोक आपूर्ति में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 25.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। खुदरा बिक्री भी मजबूत बनी हुई है; फाडा के अनुसार, जुलाई में खुदरा पंजीकरण में 19.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, थोक आपूर्ति में खुदरा बिक्री की तुलना में तेजी से हुई बढ़ोतरी से पता चलता है कि यह बढ़त त्योहारों के लिए स्टॉक जमा करने की वजह से है। डीलरों के पास मौजूदा स्टॉक फाडा के सुझाए गए 21 दिनों के मुकाबले बढ़कर 33 से 35 दिन तक पहुंच गया है, जिसमें आधे से अधिक डीलरों ने उच्च स्टॉक की सूचना दी है। फाडा ने आगाह किया है कि अगस्त और सितंबर में वृद्धि का श्रेय कम आधार प्रभाव को जाएगा, क्योंकि पिछले साल जीएसटी 2.0 से पहले खरीदारों ने खरीद टाल दी थी। दीवाली और धनतेरस का नवंबर में पड़ना इस साल अक्टूबर की तुलना को और जटिल बनाएगा, जिससे थोक बिक्री के बजाय खुदरा बिक्री ही उद्योग के लिए असली कसौटी होगी।

बच्चे क्यों करते हैं शिकायत

मम्मा! देखो यह मुझे डॉल से खेलने नहीं दे रहा, इसने मेरी बुक फाड़ दी, यह मुझे चिढ़ा रहा है...पेरेंट्स को अकसर ऐसी शिकायतों से रूबरू होना पड़ता है, पर कुछ बच्चों को बेवजह हर बात पर बड़ों से शिकायत करने की आदत पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि बच्चे को वास्तव में कोई परेशानी है या उसकी आदत ही ऐसी है।

स्वाभाविक है यह

दो-ढ़ाई साल की उम्र से ही बच्चों में ऐसी आदतें दिखने लगती हैं। यह उनके भावनात्मक विकास का ज़रूरी हिस्सा है। इस उम्र से ही बच्चों में अधिकार की भावना विकसित हो जाती है। वे किसी के साथ अपनी चीज़ें शेयर नहीं करना चाहते। इसी उम्र में खुद से उनका जुड़ाव होता है। जब भी उन्हें ऐसा लगता है कि कोई दूसरा उन्हें नुकसान पहुंचाने वाला है तो वे शोर मचा कर विरोध प्रदर्शित करते हैं। उनका ऐसा व्यवहार सुरक्षा की दृष्टि से बेहद कारगर साबित होता है, लेकिन दिक्क़त तब होती है जब बच्चे बेवजह छोटी बातों पर नाराज़ होकर शिकायत करते हैं या पांच साल की उम्र के बाद भी उनमें यही आदत बनी रहती है।

क्या है असली वजह

दरअसल छोटे बच्चे स्थितियों और व्यवहार से जुड़ी बारीक़ियों को समझने में असमर्थ होते हैं। उनके लिए कोई भी बात पूरी तरह सही या ग़लत होती है। सही-ग़लत के काले-सफ़ेद रंगों के बीच मौजूद ग्रे शेड को पहचानकर उसके अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता इतनी छोटी उम्र में विकसित नहीं होती। भाई-बहनों और दोस्तों से छोटी-छोटी शिकायतें करते हुए ही बच्चे सही-ग़लत की पहचान करना सीखते हैं। इसी के साथ उनमें नैतिकता की भावना विकसित होती है। खेलकूद के दौरान होने वाले छोटे-छोटे झगड़ों से भी कई ऐसी बातें सीखने को मिलती हैं, जो ताउम्र उसके काम आती हैं। ऐसे में उसे आपके सहयोग की ज़रूरत होती है। आप उसे समझाएं कि छोटी-छोटी बातों के लिए मम्मी-पापा से शिकायत नहीं करनी चाहिए। अगर किसी दोस्त से तुम्हारा झगड़ा हो तो उसे खुद सुलझाने की कोशिश करो। हां, जब भी तुम्हें किसी से डर लगे या कोई ख़तरा महसूस हो तो हमें ज़रूर बताओ।

कैसे निबटें शिकायतों से

सबसे पहले बड़ों को यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि क्या सचमुच उनके बच्चे को कोई परेशानी है? उसकी पूरी बात सुने बिना अपने आप यह मान लेना अनुचित है कि बच्चे तो ऐसा करते ही हैं। चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, दो मिनट रुक कर धैर्यपूर्वक उसकी पूरी बात ज़रूर सुनें। ऐसा करना बहुत ज़रूरी है क्योंकि कई बार बच्चे सचमुच बहुत परेशान होते हैं और उनकी सुरक्षा के लिए बड़ों का बीच में बोलना ज़रूरी होता है। बच्चों में यह तय करने की क्षमता नहीं होती कि कौन सी स्थितियां उसकी सुरक्षा की दृष्टि से नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। ऐसे में जो व्यक्ति बच्चों के साथ होता है, उसकी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि उन पर नज़र रखते हुए वह समझने की कोशिश करे कि उनके बीच खिलौनों के लिए मामूली छीना-झपटी हो रही है या मारपीट। कुछ बच्चों का व्यवहार बेहद आक्रामक होता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को समझाएं कि तुम किसी से झगड़ा मत करना, लेकिन तुम्हें जब भी कोई ख़तरा महसूस हो तो आसपास मौजूद अंकल या आंटी को ज़रूर बताना।

समझदारी से बनेगी बात

यह सच है कि बच्चों के बीच होने वाले छोटे-छोटे झगड़े उनकी नासमझी की वजह से होते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ों के सहयोग की ज़रूरत होती है। अगर कोई दूसरा बच्चा आपके बेटे से उसका मनपसंद खिलौना छीन लेता है और वह रोता हुआ आपके पास शिकायत लेकर आता है तो ऐसी स्थिति में आप उन दोनों को बारी-बारी से खेलने सलाह दे सकती हैं। अगर वे फिर भी न मानें तो वह खिलौना वापस मांग कर अपने पास रख लें और उनसे कोई दूसरा गेम खेलने को कहें। जब भी आपके बच्चे का किसी से कोई झगड़ा हो तो हल के रूप में उसके सामने कम से कम दो-तीन विकल्प ज़रूर रखें। इससे वह आसानी से अपने विवाद सुलझाना सीख जाएगा।

क्या है असली मंशा

पेरेंट्स के लिए बच्चे की असली मंशा समझना बहुत ज़रूरी है। कुछ बच्चे आठ-दस साल की उम्र तक पहुंचने के बाद भी हर बात के लिए माता-पिता के पास पहुंच जाते हैं या अपनी छोटी सी परेशानी को भी बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताते हैं। बच्चे की भलाई के लिए यह बेहद ज़रूरी है कि माता-पिता निष्पक्ष रूप से अपने उसकी ख़ूबियों-ख़ामियों का विश्लेषण करें। कुछ बच्चों को झूठी शिकायत करके अपने दोस्तों को डांट सुनवाने में मज़ा आता है तो कुछ बड़ों के सामने अच्छा इंप्रेशन बनाने के लिए भी भाई-बहनों की शिकायत करते हैं। कई बार वे दोस्तों पर रौब जमाने के लिए भी ऐसा करते हैं। जिन बच्चों में दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की आदत होती है, वे भी बेवजह चुगली करते हैं। अगर आपका बच्चा ऐसी वजहों से शिकायत करता है तो आप उसकी इस आदत को किसी भी हाल में बढ़ावा न दें। अगर आप पूरी बात जाने-समझे बिना उसकी हर शिकायत पर दूसरे बच्चों को डांटेंगी तो वह कभी भी अपनी समस्याएं सुलझाना सीख नहीं पाएगा। हां, अगर वह आपका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए ऐसा कर रहा हो तो उस वक़्त आप भले ही उसकी बातों को नज़रअंदाज़ कर दें, पर बाद में उसके साथ भरपूर क्वॉलिटी बिताएं और उसकी सारी बातें ध्यान से सुनें।

ठीक नहीं है मनमानी

केवल भाई-बहनों या दोस्तों के बीच मनमानी करने के लिए अगर वह आपसे शिकायत करता है तो उसकी ऐसी बातों को गंभीरता न लें। जब आपको ऐसा लगे कि सचमुच उसकी शिकायत जायज़ है तभी दूसरे बच्चे को टोकें। अगर आप अपने बच्चे की उम्र और मानसिक परिपक्वता को लेकर संतुष्ट हैं कि वह अपने झगड़े खुद सुलझा लेगा तो उसे और उसके साथ मौजूद दोस्तों को प्यार से समझा दें कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो वे आपके पास कोई शिकायत लेकर न आएं। पेरेंटिंग के मामले में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि दो बच्चों के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर मामूली विवाद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि सिर्फ़ एक शरारत के आधार पर किसी बच्चे को आप हमेशा ग़लत समझें। छोटी सी ग़लती की वजह से कोई बच्चा हमेशा के लिए दोषी नहीं बन जाता। ऐसी स्थिति कुछ पेरेंट्स ग़लती नहीं करने वाले बच्चे को कुछ विशेषाधिकार सौंप देते हैं कि तुम अपने दूसरे भाई-बहनों पर निगरानी रखो। अगर वे ग़लती करें तो मुझे बताओ। ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार यही %आज्ञाकारी बच्चे' माता-पिता की शह पा पाकर भाई-बहनों पर बेवजह रौब जमाने लगते हैं, शिकायत की धमकी देकर वे कई बार भाई/बहन से अपने सारे काम करवा लेते हैं। इसलिए अगर घर में एक से ज़्यादा बच्चे हैं तो सभी को समान रूप से अनुशासित करने की ज़िम्मेदारी माता-पिता की होनी चाहिए। अपने एक बच्चे को दूसरे का अभिभावक न बनने दें। इससे कोई भी अनुशासित नहीं होगा। इतना ही नहीं इसकी वजह से बड़े होने के बाद भी उनके आपसी रिश्ते में

धैर्य और आत्मविश्वास से निखरती है प्रतिभा

हर किसी में छुपी होती है एक खास प्रतिभा, बस उसे पहचानने भर की देर है, फिर देखिए आपकी छिपी हुई खूबी निखरकर कैसे आपकी एक अलग पहचान बनाती है। पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना। किताबों में बने चित्र या कैलेंडर में बने देवी-देवताओं के चित्र मुझे बचपन से ही लुभाते रहे हैं, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस तरह के सुंदर चित्र बना पाऊंगी। मैं सोचती रहती कि जिस भगवान ने इंसान व प्रकृति की इतनी सुंदर व सजीव आकृतियां बनाई हैं, जिसकी सबसे सुंदर कृति हम इंसान हैं, क्या कभी मैं उन भगवान के चित्र को खुद अपनी कला में उतार पाऊंगी? पर यह असंभव कार्य तब संभव हुआ, जब पापा की दी हुई सीख को ध्यान में रखकर एक दिन मैंने भगवान कृष्ण का चित्र बनाने की कोशिश की। मेरे अथक प्रयास व धैर्य से बनाने पर कृष्ण का बड़ा ही सुंदर व मनमोहक चित्र उभरकर सामने आया, जिसे देखकर मैं और मेरे घरवाले बहुत खुश हुए। तब से लेकर आज तक मैंने तमाम चित्र बनाए हैं और मेरी चित्रकारी ने एक अलग पहचान बनाई है। जब पास-पड़ोस के लोग मुझसे देवी-देवताओं का या कोई और चित्र बनवाने के लिए आते हैं, तो बहुत सुकून मिलता है। इसलिए दोस्तो, मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगी कि आप भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और उसी कार्य को करें जिसे करने में आपको आनंद आता हो। चाहे वह पढ़ाई हो, एक्टिंग, सिंगिंग, चित्रकारी या समाजसेवा से जुड़ा कोई कार्य। पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ उस काम को करिए तथा धैर्य के साथ सफलता पाने के लिए प्रयास करते रहिए। अंत में इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी ~ साधना में धैर्य रखना बड़ी बात है, बीज बोकर कितनी प्रतीक्षा करनी होती है, एक दिन प्रतीक्षा प्राप्ति में बदलती है, बीज फटकर पौधे के रूप में आ जाते हैं भूमि से बाहर।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मदद करने से मिलती है 'खुशी'

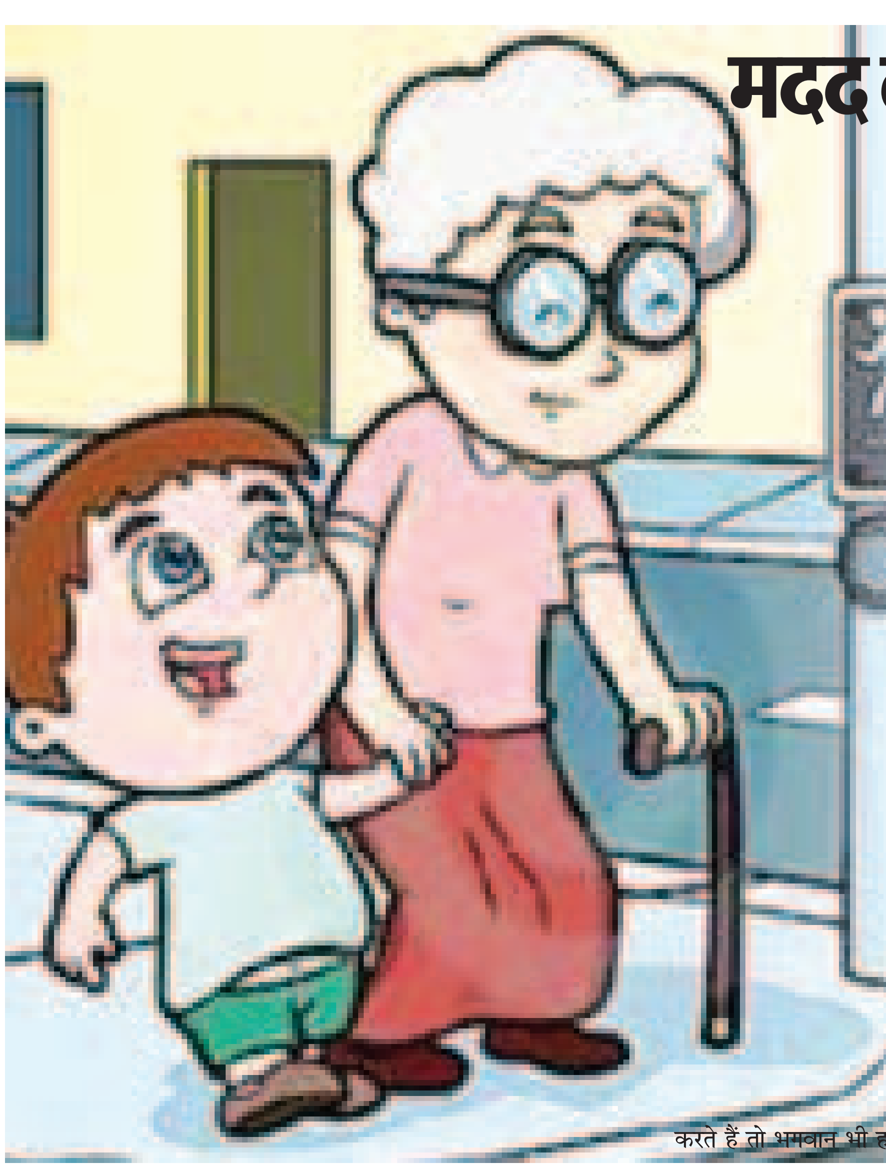

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा। एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिय़ा चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया। उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

संगीत से बढ़ती है बुद्धि

बहुत से बच्चे संगीत के शौकीन होते हैं। यदि आपका बच्चा भी संगीत का शौकीन है तो उसे रोकें-टोकें नहीं। कारण, संगीत का शौक रखने वाले बच्चे अधिक बुद्धिमान होते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि यह कहना है कनाडा के अध्ययनकर्ताओं का। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार यदि छोटे बच्चों को संगीत का प्रशिक्षण दिया जाए तो उनके सीखने की कला, याददाश्त तथा आई क्यू लेवल बढ़ता है। अध्ययनकर्ताओं ने चार से छह साल के कुछ बच्चों को दो समूह में बांटा। एक समूह में संगीत सीखने वाले बच्चों को रखा तो दूसरे में संगीत में रुचि न रखने वाले बच्चों को। एक साल बाद जब अध्ययनकर्ताओं ने इन बच्चों का आई क्यू लेवल और मेमोरी टेस्ट लिया तो परिणाम से पता चला कि संगीत सीखने वाले बच्चों की याददाश्त और आई क्यू तेज निकला, जबकि वे बच्चे जो संगीत से दूर थे सामान्य ही रहे। इसलिए यदि आप अपने बच्चे को काबिल बनाने की तमन्ना रखती हैं तो उसकी रुचि संगीत में जगाइए।

संक्षिप्त समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

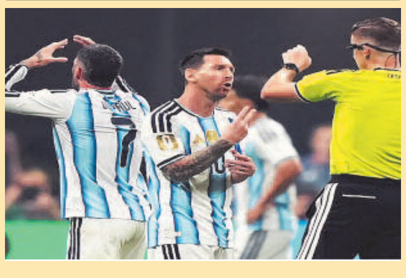

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है। इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ड्ड और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ड्ड का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ड्ड का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

लुसाने डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा 9 सेंटीमीटर से चुके पहला स्थान

लुसाने (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना बेस्ट थ्रो किया, लेकिन वो लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रह गए. जिसकी वजह से उनको दूसरे स्थान पर ही रहना पड़ा।नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में ही 88.05 मीटर का शानदार थ्रो किया, लेकिन पथिरागे ने अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके लुसाने प्रतियोगिता अपने नाम कर ली. ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 83.54 मीटर के थ्रो के साथ अपनी शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 88.05 मीटर दूर भाला फेंककर पहले स्थान पर पहुंच गए. लेकिन श्रीलंका के उभरते हुए खिलाड़ी पथिरागे ने तुरंत अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके नीरज से पहले स्थान छीन लिया। चोपड़ा अपने तीसरे थ्रो में केवल 83.72 मीटर ही दूर भाला फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे. जबकि उन्होंने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया. हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी और छठे थ्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए। बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा ! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटीक्चट्ठ) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गई जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।

शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

हालांकि मोहम्मद रिजवान ने 41 रन बनाकर कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन रॉबिन्सन ने दूसरे छोर से कई सफलताएं हासिल कीं. आखिरकार गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी का अंत किया और फिर आर्चर ने 38वें ओवर में आखिरी बल्लेबाज को आउट करके मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए. इस मिली-जुली कोशिश से इंग्लैंड ने पहली पारी में 409 रन बनाए, जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. पाकिस्तान की तरफ से अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट लिए।इस जीत के साथ इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया है. सीरीज के दूसरा मैच लॉर्ड्स में 27 अगस्त से शुरू होगा।

दो टूक आलोचनाओं पर गौतम गंभीर का जवाब

मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।'

अगरकर से सिर्फ क्रिकेट पर फोकस

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है।'

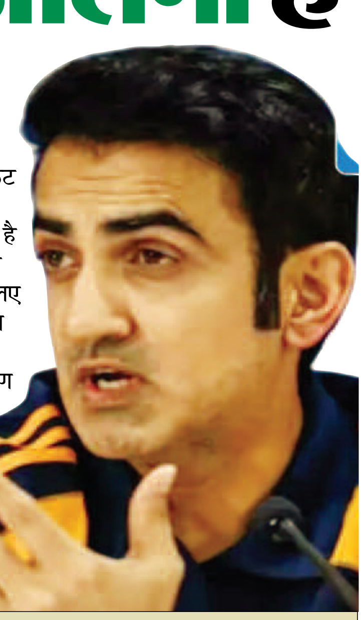

कुलदीप यादव का गंभीर ने किया बचाव

दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कम ओवर दिए जाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कुलदीप एक अच्छे गेंदबाज हैं और कभी-कभी यह कप्तान पर भी निर्भर करता है।'

सुथार और पडिक्कल के प्रदर्शन को सराहा

पहले टेस्ट में भारत की 165 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मानव सुथार और देवदत्त पडिक्कल की भी गंभीर ने जमकर सराहना की। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि सुथार ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट हासिल किए। गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देकर उनका समर्थन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी के बारे में फैसला सिर्फ एक-दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

सलाह दी द्रविड़ ने तीनों प्रारूप में खेलने का किया समर्थन

टेस्ट क्रिकेट को वैभव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी को लाल गेंद क्रिकेट के लिए काफी समय और एक्सपोजर की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत रविवार से हो रही है। वैभव इस दौरान टीम के उपकप्तान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

नई सनसनी बनकर उभरे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरे हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था। वैभव ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। वैभव अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। राहुल द्रविड़ जब राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच थे तो राजस्थान फ्रेंचाइजी ने वैभव को आईपीएल नीलामी में खरीदा था। अब द्रविड़ ने वैभव को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार बता दिया है।

द्रविड़ ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के अनावरण के लिए डबलिन में एक इवेंट में कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें भारतीय घरेलू सिस्टम में वापस जाकर लाल गेंद क्रिकेट खेलने और अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का भी समय मिल रहा है। इस युवा बल्लेबाज को सीमित ओवर और टेस्ट क्रिकेट के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट को जिंदा देखना चाहते हैं और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। हमें वैभव जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है ताकि वे सभी प्रारूप में खेल सकें।

द्रविड़ ने संयम रखने कहा

द्रविड़ ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे कुछ समय लगेगा, उसे कुछ अनुभव की जरूरत होगी। उसे बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उसने शायद उतना टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है जितना सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेला है। वह सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि आपको उसे कुछ समय देना होगा और उसके साथ सब्र रखना होगा। जाहिर है वह शुरू से ही बहुत सफल रहा है, लेकिन वह अपने उतार-चढ़ाव से गुजरेगा और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ सब्र रखना होगा।

वैभव के तीनों प्रारूप में खेलने का भरोसा

द्रविड़ का मानना है कि टी20 मौकों का पीछा करने के बजाय घरेलू टेस्ट क्रिकेट खेलने से बतौर बल्लेबाज वैभव का विकास होगा। उन्होंने कहा, हम सब याद रखें कि वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे उम्मीद है कि सूर्यवंशी आखिरकार उच्च स्तर पर लाल गेंद क्रिकेट में कदम रख पाएंगे और इंडिया के लिए सभी प्रारूप के खिलाड़ी बन पाएंगे। यह वैश्विक क्रिकेट के लिए उत्साहजनक होगा।मालूम हो कि सूर्यवंशी ने अब तक सिर्फ आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

मालामाल वीकली 2 में महेश मांजरेकर की एंट्री?

'मालामाल वीकली 2' को लेकर इन दिनों काफी हलचल है। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच चर्चा शुरू हुई की फिल्म की कास्ट से अभिनेता महेश मांजरेकर भी जुड़ चुके हैं।

महेश के लिए खास किरदार, मेकर्स को भी पसंद आया

सूत्रों की माने तो इस फिल्म में महेश के लिए एक मजेदार किरदार है। मेकर्स को लगा कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल सही रहेंगे। उन्हें भरोसा है कि महेश इस किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे और उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद आएगी। इस सीक्वल का ऑफर पाकर महेश भी खुश थे। उन्होंने हामी भी भर दी।

मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता

इस बारे में जब महेश से बात की तो उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं इस चीज का हिस्सा हो सकता हूं, या शायद नहीं भी...। सच कहूं तो मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता।' वहीं 'मालामाल वीकली' के पहले पार्ट के बारे में पूछने पर महेश ने कहा, 'जी हां, मैंने वो देखी है और मुझे वो बहुत अच्छी फिल्म लगी। वह एक मजेदार फिल्म थी। खेर, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता।'

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

2006 में आई थी 'मालामाल वीकली'

'मालामाल वीकली' 2006 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। गांव, लॉटरी और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती इस कहानी ने अपनी देसी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म आज भी अपनी कॉमेडी और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है।

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी

अभिनेत्री डोनल बिष्ट अपने नए इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिग बॉस 15 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। वह घर में ज्यादा समय तक नहीं रह पाईं।

बातचीत के दौरान डोनल ने कहा कि वह बिग बॉस के लिए नहीं बनी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी शो में वापस जाने का फैसला करेंगी, तो डोनल ने कहा कि सलमान खान उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। बातचीत में डोनल बिष्ट ने कहा, 'उस समय, जब मैं बाहर हुई तो बहुत से लोगों ने मुझ पर प्यार बरसाया।' उन्होंने आगे कहा 'वह प्लेटफॉर्म परखता है कि आप कितने स्मार्ट और चालाक हो सकते हैं।' वह आगे कहती हैं 'अगर आप असल जिंदगी में ऐसी चीजें नहीं जानते हैं, तो आप कुछ एक्स्ट्रा क्यों करेंगे?' अभिनेत्री ने बताया 'बिग बॉस हाउस का माहौल मुझे तब सूट नहीं किया।' डोनल बिष्ट ने यह भी बताया कि एक इंसान के तौर पर वह बिग बॉस के बाद बदल गई हैं। उन्होंने कहा, 'बिग बॉस के बाद, मैं देख पाई कि दुनिया कैसी है। मैं यह समझने लगी कि कौन दोमुंहा है और कौन मुझे नीचे खींचने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोगों ने मुझे गुमराह किया, जिसकी वजह से मैंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए। मैंने हमेशा अपने आस-पास सही लोगों को रखने की कोशिश की।'

सलमान के साथ खड़ी होना चाहती हैं डोनल

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी दोबारा बिग बॉस में जाने में कोई दिलचस्पी है? इस पर डोनल बिष्ट ने कहा 'सलमान सर मुझे बिग बॉस करने नहीं देंगे। उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बिग बॉस के लिए नहीं बनी हूं। मैं सिर्फ काम के बारे में बात करती हूं। अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी।'

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को लताड़ा

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुद पर 'अंधभक्त' होने के इल्जामों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना अंधभक्ति है तो उन्हें इस टैग पर गर्व है। जानें क्या बोंली ईशा? अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कहा कि वह भारत से प्यार करती हैं। इसके साथ ही वह किसी राजनैतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। ईशा ने कहा – अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे अंधभक्त कहिए। मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। इंसान जहां रहता है वह उसी जगह से प्यार और उसका सम्मान करना चाहिए। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें इसी तरह सोचना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा सोच बदलना चाहिए

ईशा ने आगे अपने वीडियो में कहा, 'दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'

कैप्शन में ट्रोलर्स को जवाब दिया

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में भी लिखा, 'अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

सुकृति कक्कड़ ने बताया शादी का प्लान

सिंगर सुकृति कक्कड़ ने अपने पांच साल के रिश्ते को तब तक लोगों की नजरों से दूर रखा, जब तक कि वे इसे सबके सामने लाने के लिए तैयार नहीं हो गईं। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर मुंबई के एंटरप्रेन्योर शौमिक शेट्टी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। 31 जुलाई को टस्कनी में सगाई करने वाले इस कपल ने बताया कि अपने रिश्ते को प्राइवेट क्यों रखा? बातचीत में सिंगर ने कहा कि जब हम इस रिश्ते में आए, तो हमें अपने रिश्ते पर बहुत गर्व हुआ। हमने सोचा कि जब सही समय आएगा तभी इसकी घोषणा करना सही रहेगा। सुकृति कहती हैं कि जब आप रिश्ते छिपाते हैं, तो यह आपकी पर्सनैलिटी का हिस्सा बन जाता है। हमारे परिवारों और कुछ करीबी दोस्तों को हमेशा पता था। हमें इसे प्राइवेट रखना पसंद है और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। इसकी बहुत अहमियत है। मैं 'नजर' में बहुत विश्वास रखती हूं।

कपल ने यह भी बताया कि वे अपने रिश्ते और प्रोफेशनल जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहते थे। कक्कड़ कहती हैं, 'हम अपने काम पर बहुत फोकस्ड हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चीज जो हमारे काम से ध्यान भटकाए, हम शुरुआत में नहीं चाहते थे। मगर अब हम इसे पूरी गरिमा के साथ सबके सामने लाना चाहते हैं।' इस कपल का कहना है कि उनके अलग-अलग व्यक्तित्व और प्रोफेशन उनके लिए फायदेमंद रहे हैं। शौमिक कहते हैं कि 'वह बहुत ही नारी-सुलभ और चुलबुली थीं और पार्टी की जान थीं। आप देख सकते थे कि हर कोई उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा चला आ रहा था। मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद आई।'

प्रोसित रॉय की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में लक्ष्य की एंट्री? दिखेगा अलग अवतार

'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य 'राख' फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

कब से शुरू हो सकती है शूटिंग?

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने 'राख' के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। सूत्र ने बताया, 'लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है। ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

लक्ष्य का दिखेगा अलग अवतार

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने 'किल' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म 'किल' में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

क्या अनुराग कश्यप करेंगे तीसरी शादी

अनुराग कश्यप ने साल 1997 में आरती बजाज से शादी की थी, 2009 में इनका तलाक हो गया। फिर निर्देशक ने साल 2011 में अभिनेत्री कल्कि केलकां से शादी की लेकिन साल 2015 में इनका भी तलाक हो गया। अब अनुराग एक शुभ्रा शेट्टी नाम की लड़की के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्या वह शुभ्रा से तीसरी शादी करेंगे? जानिए, अनुराग ने क्या इस बारे में क्या प्रतिक्रिया दी।

शादी के सवाल पर क्या था अनुराग का जवाब?

हाल ही में जेनिस सिकेरा के यूट्यूब चैनल पर अनुराग ने अपनी जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। वह इस बातचीत में अपने शादी के प्लान के बारे में कहते हैं, 'शुभ्रा शादी में यकीन नहीं रखती हैं। मैं भी उनके साथ बहुत खुश हूं। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। इसके लिए जो भी करना पड़े करूंगा। जिंदगी में बहुत कुछ है। एक बूढ़े आदमी की क्या इनसिक्योरिटी हो सकती है? मैं बस इतना सेहतमंद रहना चाहता हूं कि जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, उनसे ज्यादा समय तक जिंदा रहूं।'

एक वक्त शुभ्रा को खुद से दूर करना चाहते थे अनुराग

अनुराग, शुभ्रा के बारे में भी बताते हैं। वह कहते हैं, 'हमने कई पल साथ बिताए हैं। हम कभी-कभी झिझक महसूस करते थे। मैं ज्यादा झिझकता था और सिर्फ ज्यादा झिझकता ही नहीं था, एक समय तो मैं इतना ज्यादा झिझकने लगा था कि शुभ्रा को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहा था। अनुराग आगे कहते हैं, 'उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता नहीं चलता। वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। वह अपनी उम्र की नहीं लगती हैं। तो बात यह है कि जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता गया और वह वैसी ही दिखती रहीं, तब मुझे थोड़ी झिझक होने लगी।' बता दें कि अनुराग कश्यप 53 साल के हैं, जबकि शुभ्रा 32 या 33 साल की हैं।

कौन है शुभ्रा शेट्टी?

शुभ्रा शेट्टी की बात करें तो वह अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन कंपनी फैंटम फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं। अनुराग को पहली बार 2015 में शुभ्रा के साथ देखा गया था। 2018 के एक इंटरव्यू में ही अनुराग ने पहली बार माना था कि वह शुभ्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

टेक दिग्गज अपने बच्चों को सोशल मीडिया से क्यों रखते हैं दूर, दूसरों पर क्या हो रहा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान और तेज बनाया है। लेकिन इस तकनीक की दुनिया के बड़े नाम अपने बच्चों के मामले में इसके इस्तेमाल को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन लोगों ने डिजिटल दुनिया को इतना बड़ा बनाया, वे अपने बच्चों को इससे क्यों दूर रखना चाहते हैं क्या सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े क्या कहते हैं दुनिया के कई देश बच्चों के लिए सोशल मीडिया की उम्र सीमा तय करने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं इन प्लेटफॉर्मस पर कब-कब ऐसे मामले देखने को मिले हैं भारत इस दिशा में क्या कर रहा है मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे लंबे समय तक टीवी या कंप्यूटर के सामने बैठे रहें। उनके अनुसार लोगों के साथ बातचीत करना अच्छी बात है, लेकिन लगातार एक वीडियो से दूसरे वीडियो पर जाना उतना सकारात्मक नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमलों के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला, क्यों बंद की यूरोप की अहम यूनिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने यूरोप में ड्रोन युद्ध की तकनीक पर काम कर रही अपनी एक विशेष यूनिट को बंद करने का फैसला किया है। यह यूनिट पिछले करीब एक साल से ड्रोन बनाने, उनका इस्तेमाल करने और युद्ध के दौरान ड्रोन से लड़ने की रणनीति पर प्रयोग कर रही थी। अब इसे दोबारा एक पारंपरिक एयरबोर्न इन्फैंट्री बटालियन के रूप में काम करने का निर्देश दिया गया है। यह यूनिट इटली और जर्मनी में तैनात 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड का हिस्सा है। पिछले साल नवंबर में करीब 600 सैनिकों की एक बटालियन को विशेष रूप से ड्रोन युद्ध के लिए तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक और रणनीति विकसित करना था, जिसे जरूरत पड़ने पर किसी भी युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिकी सेना ने यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध में ड्रोन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से सीख लेने के लिए यह प्रयोग शुरू किया था। यूक्रेन ने युद्ध में कम लागत वाले ड्रोन, खासकर ड्रोन, का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड के सैनिक इटली में एक विशेष ड्रोन लैब में अपने हमलावर ड्रोन भी तैयार कर रहे थे। सेना के मुताबिक, सैनिक ड्रोन के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐसे ड्रोन विकसित करने पर भी काम कर रहे थे, जिन्हें दुश्मन की जैमिंग तकनीक से बचाया जा सके। अमेरिकी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, विशेष ड्रोन यूनिट इस महीने और अगले महीने जर्मनी में होने वाले दो बड़े सैन्य अभ्यासों के बाद अपना प्रयोगात्मक काम पूरा करेगी। इसके बाद यूनिट की ओर से पिछले एक साल में हासिल की गई जानकारी और अनुभव सेना को सौंपा जाएगा। सेना का कहना है कि इन अनुभवों का इस्तेमाल भविष्य में सैनिकों की तैनाती, सैन्य ढांचे और ड्रोन से जुड़ी नई तकनीक के विकास की योजना बनाने में किया जाएगा। इस फैसले की खास बात यह है कि अमेरिकी सेना के लिए ड्रोन युद्ध का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान ईरान ने कम लागत वाले शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ किया। इन हमलों में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने, एक सेना के हेलिकॉप्टर के गिरने और महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स[ायर उड़ाने की थी साजिश: यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।

आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप : बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

सामाजिक माध्यमों पर अमेरिका विरोधी बयान : संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा : शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।

अल्बानी में सरकारी इमारतों की रेकी : संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी।

टाइम्स स्क्वायर और व्हाइट हाउस भी निशाने पर : अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा।

भोजन पहुंचाने वाले थैले में विस्फोटक पहुंचाने की योजना : हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली।

47 परिवारों को 500 करोड़ रुपये देगा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मुर्दाघर प्रबंधक ने बेच दिए थे शवों के अंग

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने उन परिवारों को 5.3 करोड़ डॉलर (करीब 500 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है, जिनके परिजनों के शवों के अंग चोरी कर काले बाजार में बेचे गए थे। यह मामला स्कूल के पूर्व मुर्दाघर प्रबंधक सेड्रिक लॉज से जुड़ा है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग सामूहिक मुकदमों के निपटारे के लिए यह रकम दी जाएगी। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डीन जॉर्ज क्यू. डेली और बर्नार्ड एस. चांग ने एक पत्र में लॉज की करतूत को बेहद घृणित और मेडिकल समुदाय के मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

47 परिवारों ने किया था मुकदमा : इस मामले में उन 47 लोगों के परिजनों ने मुकदमा दायर किया, जिन्होंने मेडिकल रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपने शरीर दान किए थे। हार्वर्ड का कहना है कि वह यह निश्चित तौर पर नहीं बता सकता कि लॉज ने किन-किन दानदाताओं के शवों से अंग निकाले थे। स्कूल ने 2018 से मार्च 2023 के बीच दान किए गए शवों के रिकॉर्ड और संघीय जांच से मिली जानकारी की समीक्षा की। इसी आधार पर संभावित रूप से प्रभावित दानदाताओं की पहचान करने की कोशिश की गई।

दिमाग से लेकर हाथ और चेहरे तक बेचे : लॉज को 2023 में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह शवों के अंग चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में खरीदारों तक पहुंचाने वाले एक भयावह नेटवर्क के केंद्र में था। उसने शवों से दिमाग, त्वचा, हाथ और चेहरे तक निकालकर बेच दिए। एक मामले में उसने एक खरीदार को मानव त्वचा दी थी, जिसका इस्तेमाल चमड़ा बनाकर एक किताब की जिल्द तैयार करने में किया जाना था। अभियोजक ने इसे बेहद भयावह घटना बताया था। लॉज ने अदालत में स्वीकार किया था कि वह शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजे जाने से पहले उनके अंग निकालता था। हार्वर्ड ने स्पष्ट किया है कि उसने यह काम संस्थान की जानकारी या अनुमति के बिना किया। सेड्रिक लॉज को पिछले साल आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसकी पत्नी डेनिस लॉज को भी इस मामले में मदद करने के लिए एक साल से कुछ अधिक समय की जेल हुई। इसके अलावा लॉज से शवों के अंग खरीदने वाले छह अन्य लोगों ने भी अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें सजा सुनाई गई। समझौते के तहत हार्वर्ड प्रभावित परिवारों को भुगतान करने के साथ-साथ एक आधिकारिक बयान भी देगा, जिसमें लॉज के कृत्य की निंदा की जाएगी और मेडिकल स्कूल के शव दान कार्यक्रम में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

नूर खान एयरबेस पर दिखा तुर्किये का सैन्य विमान, ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर क्यों बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक नई हलचल सामने आई है। मक्का रक्षा समझौते के बाद तुर्किये वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस पहुंचा। विमान 18 अगस्त को वहां पहुंचने और लौटने के दौरान दर्ज किया गया। इसी एयरबेस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कार्रवाई में निशाना बनाया गया था।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान में तुर्किये की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एविएशन हिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार तुर्किये वायुसेना का एयरबस ए-400एम एटलस विमान 18 अगस्त को नूर खान एयरबेस पहुंचा और वहां से वापस लौटा। विमान का कॉलसाइन टीयूएएफ526 बताया गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, तुर्किये की ओर से उन्नत ड्रोन, हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान पाकिस्तान पहुंचाए जाने की आशंका है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस विमान के जरिए भेजे गए सामान की पूरी सूची सामने नहीं आई है। भारतीय एजेंसियां इस गतिविधि को गंभीरता से देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान दिए जाने की बात सामने आई थी। मई 2025 में पाकिस्तान ने तुर्किये मूल के असिसगार्ड सोंगर और यिहा-3 ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जिन्हें भारतीय कार्रवाई में नष्ट किया गया था। पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को चीन के साथ-साथ तुर्किये के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग और मानवरहित प्रणालियों से भी जोड़ रहा है। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग पहले भी सामने आता रहा है। मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने तुर्किये में बायकर के चेयरमैन सेल्चुक बेराक्तार से मुलाकात की थी। बायकर बायराक्तार टीबी-2, अकिन्जी और केजिलेलेमा जैसे मानवरहित युद्धक विमान विकसित करने वाली कंपनी है।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान, ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा

वॉशिंगट, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर लगभग नियंत्रण कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका का समझौता करना क्यों हुआ मुश्किल 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। अमेरिका में बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर क्या बोले ट्रंप उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी-2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिका का कर्ज 40 खरब डॉलर के पार: ट्रंप की नीतियों से कितना बढ़ा, ईरान युद्ध और टैक्स कटौती कितनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का कुल राष्ट्रीय कर्ज बुधवार को 40 खरब डॉलर के पार पहुंच गया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका के लिए यह सिर्फ आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि बढ़ते वित्तीय दबाव का संकेत भी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय कर्ज खत्म करने का वादा किया था, लेकिन कर्ज लगातार बढ़ता गया। अब उनके दूसरे कार्यकाल में यह उस समय के मुकाबले करीब दोगुना हो चुका है। बढ़ते कर्ज ने अमेरिकी सरकार के सामने खर्च और आय के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बढ़ा दी है। अमेरिकी कर्ज बढ़ने के पीछे कई पुराने और नए कारण हैं। इनमें लंबे

समय से जारी भारी सैन्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर बढ़ता खर्च शामिल है। इसके अलावा 2025 में लागू टैक्स कटौतियों से सरकारी राजस्व पर भी दबाव पड़ा। ईरान युद्ध और उससे जुड़े सैन्य अभियानों ने इस बोझ को और बढ़ाया है। दी गई जानकारी के अनुसार, अकेले इस साल अमेरिका को अपनी देनदारियां पूरी करने के लिए दो खरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज लेना पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि कुल घाटे का करीब आधा हिस्सा निवेशकों को दिए जाने वाले ब्याज में जा रहा है।

क्या ब्याज का बढ़ता बोझ अमेरिका को कर्ज के जाल में फंसा रहा : बढ़ते कर्ज के साथ उसका ब्याज भी सरकार के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पुराने कर्ज पर निवेशकों को ब्याज देना पड़ता है और कर्ज बढ़ने के साथ यह खर्च भी बढ़ता जाता है। इससे सरकार के पास दूसरे जरूरी कामों के लिए उपलब्ध पैसा सीमित हो सकता है। दी गई जानकारी के मुताबिक, कमेटी फॉर ए रिस्पांसिबल फेडरल बजट के वरिष्ठ नीति निदेशक मार्क गोल्डवेन ने चेतावनी दी कि अमेरिका कर्ज के जाल में फंसता नजर आ रहा है। उनके अनुसार, कर्ज कम करने में नीति निर्माताओं की असमर्थता लंबे समय का जोखिम बढ़ा रही है। ट्रंप ने सत्ता में लौटने के बाद सरकारी खर्च कम करने के लिए एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग बनाया था। इसका लक्ष्य सरकारी खर्च में एक खरब डॉलर तक की कटौती करना था। हालांकि, दिए गए विवरण के अनुसार यह विभाग बचत के मामले में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सका। स्थिति इसलिए भी कठिन है क्योंकि चुनाव नजदीक आने के कारण सरकार के लिए बड़े और कड़े फैसले लेना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है।

सीरिया में तुर्किये की सैन्य विस्तार योजना पर इस्राइल की चेतावनी, राजदूत बोले- हद पार कर दी गई है

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने कहा है कि इस्राइल को स्पष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि तुर्किये सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी का बड़े स्तर पर विस्तार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे हद पार करना बताया। द यरूशलम पोस्ट के साथ बातचीत में लेइटर ने कहा, हम तुर्किये या सीरिया में से किसी के साथ तनाव बढ़ाना या युद्ध नहीं चाहते। लेकिन एक हद पार की गई है।

उनकी यह टिप्पणी इस्राइल द्वारा सीरिया में किए गए हवाई हमलों के बाद आई है। इन हमलों की सीरिया और तुर्किये दोनों की सरकारों ने आलोचना की थी। लेइटर ने कहा, यह तुर्किये की ओर से समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन माना जा रहा था। जिन लोगों को खुफिया जानकारी दी जानी जरूरी थी, उन्हें वह जानकारी मिल गई। जिन्हें पता होना चाहिए था कि क्या होने वाला है, उन्हें इसकी जानकारी थी। हमने स्पष्ट कर दिया था कि यह हमारे समझौतों का उल्लंघन है और इसी वजह से इस्राइल ने कार्रवाई की।

तुर्किये पर इस्राइल ने लगाए क्या आरोप : लेइटर के मुताबिक, मंगलवार को अलेप्पो के पास सीरिया में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइल ने जो हमला किया, वह कथित तुर्किये के कदम को लेकर दी गई चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिए जाने के बाद किया गया। सीरियाई अधिकारियों ने कहा था कि एयरफील्ड पर कम से कम आठ हमले हुए। बाद में सैटेलाइट तस्वीरों में रनवे को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था, इस्राइल ने संदेश स्पष्ट कर दिया है- ऐसा मत करो। लेइटर ने कहा कि तुर्की का कथित कदम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान इस्राइल और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के प्रशासन के बीच बनी समझ के खिलाफ था। इस समझ के तहत सीरिया में मौजूदा स्थिति को स्थिर रखा गया था।

क्या सीरियाई इलाके पर कब्जा कर रहा तुर्किये : उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में पेरिस में हुई एक बैठक के दौरान भी इन समझों की पुष्टि की गई थी। बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी, अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत टॉम बैरक, लेइटर, तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख गिल रीच और नेतन्याहू के सैन्य सचिव रोमन गोफमैन शामिल हुए थे। गोफमैन अब मोसाद के निदेशक हैं। लेइटर ने कहा, इस रोक का मतलब है कि जिस तरह तुर्क आगे नहीं बढ़ते, उसी तरह हम भी आगे नहीं बढ़ते और वे हमें पीछे हटने के लिए मजबूर नहीं करते। उन्होंने कहा कि इस्राइल सीरिया में सुरक्षा क्षेत्र के तहत केवल 78 वर्ग मील क्षेत्र में मौजूद है, जबकि तुर्की ने पिछले कई वर्षों में उत्तरी सीरिया में 3,500 वर्ग मील क्षेत्र पर धीरे-धीरे कब्जा बढ़ाया है। यह सीरिया के करीब पांच प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है। लेइटर ने कहा कि अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत और तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक को छोड़कर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सीरिया में इस्राइली हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन की नीति पहले तय की गई स्थिति को बनाए रखने की है और इसी वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले की निंदा नहीं की। तनाव के बावजूद लेइटर ने कहा कि इस्राइल का मानना है।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था- ट्रंप-कोहेन की दुश्मनी खत्म, रेडियो शो में फिर दिखी 15 साल पुरानी दोस्ती

वाशिंगट, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को अपने पुराने सहयोगी और बाद में कट्टर आलोचक बने माइकल कोहेन के रेडियो शो में शामिल हुए। यह मुलाकात इसलिए बेहद चौंकाने वाली रही, क्योंकि कभी कोहेन ने ट्रंप को चीटो-डस्टेड कार्टून विलेन तक कहा था और अदालत तथा कांग्रेस के सामने उनके खिलाफ गवाही दी थी। लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते फिर से सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं। कोहेन ने ट्रंप के गंदे कामों को छिपाने में अपनी भूमिका के लिए जेल की सजा काटी थी। ऐसे में कुछ साल पहले तक इस तरह की सार्वजनिक सुलह की कल्पना करना भी मुश्किल था।

रेडियो शो में दिखी पुरानी दोस्ती की झलक : कोहेन के 77 WABC रेडियो कार्यक्रम पर यह इंटरव्यू गुरुवार शाम प्रसारित हुआ, जबकि इसका पूरा प्रसारण रविवार को होना है। बातचीत का माहौल बेहद दोस्ताना रहा और दोनों ने अपने उतार-चढ़ाव भरे अतीत का केवल हल्के अंदाज में जिक्र किया। ट्रंप ने कोहेन से कहा, उन्होंने तुम्हें एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, जैसा शायद ही किसी और के साथ हुआ हो। उन्होंने आगे कहा,मैं इस बात का सम्मान करता हूं कि तुमने अपनी कही हर बात वापस ले ली। तुमने बहुत बड़ी बात की है।

कोहेन ने मांगी फिर से माफी : रेडियो इंटरव्यू से कुछ समय पहले सीएनएन से बातचीत में कोहेन ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से माफी के लिए फिर से आवेदन किया है। पिछली सरकार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था, लेकिन इस बार अभी तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। कोहेन ने कहा कि शुक्रवार को इस मुद्दे पर फिर बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप के साथ सुलह ने कोहेन को उन पूर्व सहयोगियों की लंबी सूची में ला खड़ा किया है, जिनके राष्ट्रपति से कभी तीखे मतभेद हुए, लेकिन बाद में रिश्ते फिर सुधर गए। एलन मस्क और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस इसके हालिया उदाहरण हैं।

15 साल की दोस्ती फिर आई सामने : कोहेन और ट्रंप का रिश्ता हालांकि

इन सभी मामलों से कहीं ज्यादा व्यक्तिगत रहा है। कभी कोहेन कहा करते थे कि वह राष्ट्रपति के लिए गोली खा सकते हैं। ट्रंप के राजनीतिक सफर के दौरान वह उनके बेहद भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल थे। बाद में दोनों के बीच ऐसा टकराव हुआ कि 2024 के आपराधिक हश-मनी मामले में कोहेन की गवाही ट्रंप को दोषी ठहराने में महत्वपूर्ण साबित हुई। उस समय ट्रंप अपनी राजनीतिक वापसी की कोशिश कर रहे थे। कोहेन ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक साल में उनकी और राष्ट्रपति की कई बार बातचीत हुई है। उन्होंने अपने फैसले को समझाते हुए कहा,माफ करने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ भूल जाना। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जो हुआ, वह हुआ ही नहीं। इसका अर्थ है यह तय करने की हिम्मत रखना कि बीता हुआ कल आने वाले कल को तय नहीं करेगा।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था : इंटरव्यू के दौरान कोहेन कई बार अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए। एक भावुक क्षण में उन्होंने ट्रंप से कहा, बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था इस मुलाकात को खास अंदाज में पेश किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 1975 के बैंड वॉर के गीत व्हाई कांट वी बी फ्रेंड्स से हुई और अंत 1978 के पीचेस एंड हर्ब के मशहूर गीत रीयूनाइटेड एंड इट फील्स सो गुड की पंक्तियों के साथ हुआ।

कभी ट्रंप के खिलाफ बने थे अहम गवाह : न्यूयॉर्क में ट्रंप के खिलाफ चले हश-मनी मुकदमे में कोहेन एक महत्वपूर्ण गवाह थे। 2024 में उन्होंने अदालत में गवाही दी कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने उन प्रयासों में अहम भूमिका निभाई थी, जिनका उद्देश्य एक एडल्ट फिल्म अभिनेत्री और पूर्व प्लेबॉय मॉडल के उन दावों को दबाना था, जिनमें उन्होंने ट्रंप के साथ यौन संबंध होने की बात कही थी। कोहेन ने गवाही दी थी कि ट्रंप ने उन्हें पहले किए गए भुगतानों की भरपाई का भरोसा दिया था और उन प्रयासों की जानकारी रखते थे। उन्होंने कहा था, मैं जो कुछ भी कर रहा था, वह मिस्टर ट्रंप के कहने पर और उनके फायदे के लिए कर रहा था। दोनों के रिश्ते में निर्णायक दरार 2018 में पड़ी, जब स्नब्ब्रु एजेंटों ने कोहेन के कार्यालय, घर और होटल के कमरे की तलाशी ली। इसके बाद कोहेन ने रूस में ट्रंप टॉवर परियोजना को लेकर कांग्रेस से झूठ बोलने और कैंपेन फंडिंग नियमों के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया। इन मामलों में स्टॉर्मी डेनियल्स और कैरेन मैकडौगल को किए गए भुगतानों का भी जिक्र आया। उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई। बाद में कोहेन ने कहा कि ट्रंप के खिलाफ गवाही देने के लिए उन पर दबाव डाला गया था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.